www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 194 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
06 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:00
सूर्यास्तः 05:48
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 23°00



पेज 07

विशेष समाचार धर्म, अर्थ, 'काम', मोक्ष का ... »पेज 04 | कानपुर में सरकारी डॉक्टर ... »पेज 06 | तकनीक का गलत इस्तेमाल...



यूपी में भाजपा के आठों राज्यसभा कैंडिडेट नए, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और बीएल वर्मा के नाम नहीं, राज्यपाल गंगवार की बेटी को टिकट

66 भाजपा से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, बीएल वर्मा और नीरज शेखर, सीमा द्विवेदी, बृजलाल, गीता शाक्य, अरुण सिंह और सपा के रामगोपाल यादव, बसपा के रामजी गौतम का कार्यकाल 25 नवंबर को खत्म हो रहा है। डॉ. दिनेश शर्मा अंडमान निकोबार बना दिए गए हैं। उन्होंने इस्तीफा दिया है।

हरदीप सिंह पुरी को नहीं मिला टिकट

बीजेपी की सूची में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम नहीं है। इससे उन चर्चाओं पर विराम लग गया है, जिनमें उन्हें उत्तर प्रदेश से दोबारा राज्यसभा भेजे जाने की संभावनाओं पर चर्चा हो रही थी। उत्तर प्रदेश से जिन राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें हरदीप सिंह पुरी के अलावा अरुण सिंह और नीरज शेखर के नाम भी शामिल हैं।



सीजेपी नेताओं का दावा सरकार हमें अरेस्ट करने की तैयारी में

सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके बोले- डरेंगे नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने दावा किया कि सरकार 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से पहले अभिजीत दीपके, सौरव दास, आशुतोष, रत्ना और अन्य CJP नेताओं को गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने लिखा- अमित शाह आखिर कितने लोगों को गिरफ्तार करोगे। प्रदर्शन में पूरा देश आ रहा है। सरकार को लगता है कि UAPA, NSA या जेल की सजा से हम डर जाएंगे, तो ऐसा नहीं होगा। जरूरत पड़ी तो सालों तक जेल में भी रहेंगे।

CJP ने चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन का ऐलान किया है। दिल्ली में पिछले 3 दिनों में लेफ्ट, AAP और छात्र संगठन ने प्रदर्शन किया। वहीं मुंबई में 2 और 4 अक्टूबर को CJP, MNS और शिवसेना ने मार्च निकाला।

>> (शेष पेज 06 पर)



- एसआईआर के खिलाफ जंतर-मंतर पर 10 अक्टूबर को प्रदर्शन

भाजपा के 8 राज्यसभा प्रत्याशियों का ऐलान

घोषणा

यूपी में राज्यसभा की 31 सीटें हैं। इनमें 10 सीटों पर 16 अक्टूबर को चुनाव होना है। 6 अक्टूबर को नामांकन का आखिरी दिन है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार दोपहर 8 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया। सभी नए उम्मीदवार हैं। इनमें 2 महिलाएं हैं। पीएम मोदी के मंत्रिमंडल में शामिल बीएल वर्मा और हरदीप सिंह पुरी का टिकट काट दिया गया है। माना जा रहा है कि इनकी मोदी मंत्रिमंडल से छुट्टी हो सकती है। प्रत्याशियों में 2 ब्राह्मण, 1 ठाकुर, 3 पिछड़े और 2 दलित हैं। पिछड़े वर्ग में एक लोधी, एक कुर्मी और एक पाल समाज से हैं। वहीं, दलित वर्ग में एक खटीक और एक पासी समाज से हैं।

सपा के 2 उम्मीदवार प्रोफेसर राम गोपाल यादव और उद्योगपति धनराज परिमल नाथवानी ने 30 सितंबर को नामांकन दाखिल किया है। यदि सपा तीसरे और भाजपा 9वें उम्मीदवार को नहीं उतारती है तो चुनाव में सपा के 2 और भाजपा के 8 उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन तय है। सपा प्रत्याशी धनराज परिमल नथवानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के ग्रुप प्रेसिडेंट हैं। उन्हें जानेमाने बिजनेसमैन मुकेश अंबानी का करीबी माना जाता है। >> (शेष पेज 06 पर)

इन सदस्यों का **कार्यकाल हो रहा खत्म**



भाजपा: डॉ. दिनेश शर्मा | सीमा द्विवेदी | नीरज शेखर
अरुण सिंह | बीएल वर्मा | गीता शाक्य
हरदीप सिंह पुरी | ब्रजलाल

सपा: रामगोपाल यादव | **बसपा:** रामजीलाल गौतम

लखनऊ से ज्यादा ताकतवर बना बाराबंकी

अवध का छोटा सा जिला बाराबंकी भाजपा की राजनीति में लखनऊ को छोड़कर अन्य किसी जिले अधिक ताकतवर हो गया है। भाजपा में प्रदेश महामंत्री उपेंद्र रावत बाराबंकी से हैं। अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष बैद्यनाथ रावत भी बाराबंकी से हैं। अब राज्यसभा चुनाव में भी बाराबंकी की प्रियंका रावत को टिकट दिया है। प्रियंका भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं। प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री सतीश शर्मा भी बाराबंकी जिले से ही हैं। भाजपा के प्रदेश मंत्री अवधेश श्रीवास्तव भी बाराबंकी से ही हैं।

मोदी मंत्रिमंडल से 3 मंत्रियों की छुट्टी होने की संभावना

लिस्ट में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री पुरी और राज्य मंत्री वर्मा का नाम नहीं है। उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल के लिए भी BJP ने दूसरे नाम घोषित किए हैं। यानी फिलहाल इन दोनों के लिए राज्यसभा में लौटने का रास्ता बंद हो गया है।

पुरी के लिए अगला संभावित रास्ता 2027 में खाली होने वाली राज्यसभा सीटें हो सकती हैं। अप्रैल 2027 में केरलम की 3 सीटों का कार्यकाल खत्म होगा, लेकिन वहां BJP के मौजूदा विधानसभा संख्या-बल को देखते हुए पुरी का वहां से राज्यसभा पहुंचना आसान नहीं माना जा सकता। पुरी का राज्यसभा कार्यकाल 25 नवंबर 2026 को खत्म हो रहा है। संविधान के अनुच्छेद 75(5) के तहत वे लगातार 6 महीने तक ही सांसद बने बिना केंद्रीय मंत्री रह सकते हैं। पीयूष गोयल को पहले ही भाजपा का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया जा चुका है। लिहाजा मोदी मंत्रिमंडल से तीन मंत्रियों को हटना तय है। हरदीप पुरी का एप्स्टीन फाइल में भी नाम सामने आया था। हरदीप 2018 में पहली बार राज्यसभा सदस्य बने थे और बीएल वर्मा को 2020 में राज्यसभा भेजा गया था।



सीएम योगी ने दी उम्मीदवारों को बधाई

BJP की ओर से उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रत्याशियों को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, आज घोषित हुए सभी सम्मानित प्रत्याशी गणों को हार्दिक बधाई। आप सभी की ऐतिहासिक विजय हेतु अनंत मंगलकामनाएं।"

सरकारी आश्रम स्कूल में 82 स्टूडेंट्स का आधा सिर मुंडवाया

बच्चों के खेलने से नाराज हो गए थे सुपरिटेंडेंट

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में एक सरकारी आश्रम स्कूल के 82 छात्रों को आधा गंजा कर देने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यह घटना शनिवार को चिमूरा तालुका के जंभुलघाट स्थित सरकारी सेकेंडरी आश्रम स्कूल में हुई है।

आश्रम से मिली जानकारी के मुताबिक, आश्रम में शनिवार सुबह को बच्चों के बाल काटे जा रहे थे। इसी दौरान कुछ बच्चे खेल रहे थे। बच्चों के इसी व्यवहार से सुपरिटेंडेंट प्रशांत मेश्राम नाराज हो गए। उन्होंने गुस्से में 82 बच्चों के आधे बाल कटवा दिए। रविवार के मामले का खुलासा हुआ तो अभिभाववक भड़क उठे। स्कूल के प्रिंसिपल प्रशांत गिरी ने इस घटना को लेकर सुपरिटेंडेंट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

>> (शेष पेज 06 पर)



- मामला सामने आने पर रात को फिर करवाई कटिंग
- सुपरिटेंडेंट बोले- गलत इरादा नहीं था

फास्ट न्यूज

गांधीजी पर आपत्तिजनक रील बनाकर पोस्ट की

सूरत । सूरत में महात्मा गांधी की तस्वीर वाले 500 रुपए के नोट पर आपत्तिजनक रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में पुलिस ने महिला इंफ्लूएंसर को गिरफ्तार किया है।

फायदा तस्कर

म्यांमार से आने वाली ड्रग्स का गेटवे बना मिजोरम

नई दिल्ली। मिजोरम म्यांमार से आने वाली ड्रग्स का गेटवे बनता जा रहा है। 510 किमी लंबी खुली सीमा का फायदा उठाकर तस्कर जंगलों और सीमावर्ती गांवों से हेरोइन और मेथाम-फेटामाइन भारत ला रहे हैं। बीते 8 माह में 846 करोड़ रुपए से ज्यादा की ड्रग्स जब्त हुई और 930 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें 111 विदेशी भी शामिल हैं।

ईडी की ताजा कार्रवाई में म्यांमार के सरगना थिंगचुंगआंग उर्फ चिंतुआंग से जुड़े 22 बैंक खातों से 4.8 करोड़ रुपए कुर्क किए गए। जांच में सामने आया कि नेटवर्क ड्रग्स की खरीद, सीमा पार परिवहन, स्टोरेज, देश के भीतर सप्लाई और हवाला के जरिए भुगतान तक नियंत्रित कर रहा था।

'वोटिंग से रोकने वाली प्रक्रिया मनमानी'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां ने कहा- ऐसी कोई भी प्रक्रिया मनमानी है, जो लाखों भारतीयों को वोटिंग के अधिकार से रोकती है। इसे कोई भी बहाना सही नहीं ठहरा सकता ऐसी प्रक्रिया संवैधानिक व्यवस्था को नकारती है। उन्होंने कहा-चाहे अरबपति हो या रिक्शा चलाने वाला हो। दोनों के वोट की कीमत बराबर होती है।

अपराधियों में मौत का डर पैदा करना जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नहीं तो रेप जैसे अपराध रोकना मुश्किल

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में नाबालिगों से गैंगरेप की 3 घटनाओं पर कहा, "जब तक अपराधी के मन में मौत का डर नहीं होगा, तब तक ऐसे अपराध नहीं रुकेंगे।" सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि केवल चीजों को कागज पर लिखना पर्याप्त नहीं है, सख्त कार्रवाई करनी होगी। जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सख्त होने से हिचकिचाएं नहीं। बेंच ने कहा कि कुछ लोग अनुच्छेद 21 यानी मानव अधिकार का हवाला देकर सवाल उठाएंगे, लेकिन पुलिस को अपना कर्तव्य निभाना होगा। इसके बाद दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय से 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में 4 अगस्त से 21 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा-दिल्ली बस, आस्था कुंज पार्क और स्वरूप नगर में रेप की 3 घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया था।

>> (शेष पेज 06 पर)



- अदालत ने रेप की 3 घटनाओं पर खुद नोटिस लिया

सीजेआई बोले- फॉर्म 6 में बदलाव को मंजूरी नहीं दी, ईसी ने कहा था- इजाजत मिली

'चुनाव आयोग ने कानून तोड़ा तो फैसले रोक देंगे'

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की याचिका पर सुनवाई की। उन पर SIR से जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लेने का आरोप है। अदालत ने उन्हें निलंबित करने का अंतरिम आदेश देने से तो इनकार किया, लेकिन चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर फैसले बिना सहमति के लिए पाए गए, तो उन्हें वापस लिया जा सकता है। सुनवाई के दौरान CJI सूर्यकांत ने कहा- Form-6 में किसी संशोधन को सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी नहीं दी है। इसके कुछ घंटे बाद चुनाव आयोग ने कहा कि 24 जून, 2025 के बिहार SIR आदेश के दौरान फॉर्म 6 के साथ एक घोषणा जोड़ी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई के अपने आदेश में इसे सही ठहराया था। 9 दिन पहले भी चुनाव आयोग ने प्रेस नोट में कहा था कि SIR के लिए Form-6 के साथ लगाए गए डिक्लेरेशन को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिली है।

>> (शेष 06 पर)



सुप्रीम कोर्ट सीईसी को सस्पेंड नहीं कर सकता

संविधान में सुप्रीम कोर्ट को CEC को सस्पेंड करने की कोई स्पष्ट या विशेष शक्ति नहीं दी गई है। आर्टिकल 324 के तहत चुनाव कराने और उसकी निगरानी की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है, लेकिन आयोग के फैसलों की कोर्ट में जांच हो सकती है। अगर कोई फैसला कानून या संविधान के खिलाफ पाया जाता है, तो सुप्रीम कोर्ट उस पर रोक लगा सकता है या उसे रद्द कर सकता है।



- CEC ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में 20 राज्यों/UTs में SIR पूरा, करीब 13.3 करोड़ नाम ड्राफ्ट लिस्ट से हटे हैं।

एसआईआर के खिलाफ 2 पीआईएल दाखिल की गई हैं। राकेश कुमार सिंह ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सस्पेंड करने की मांग वाली याचिका दाखिल की थी। इनकी दलीलें एडवोकेट विकास सिंह ने रखीं। वहीं दूसरी याचिका शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने लगाई। इनकी ओर से सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी पेश हुईं।

निर्देश: लखनऊ में बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे सीएम योगी, पीड़ितों के बीच पहुंचकर योगी ने दुख दर्द बांटा

नैमिष तक गोमती नदी पर बनेगा तटबंध

- नदियों के जलस्तर में हुई काफी वृद्धि हर पीड़ित परिवार के लिए राशन की व्यवस्था
- हर स्वास्थ्य केंद्र में एंटी स्नेक वेनम, एंटी रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में सोमवार को फैजुल्लागंज से नैमिष तक हवाई सर्वेक्षण कर बाढ़ की विभीषिका देखी। बक्शी का तालाब क्षेत्र में बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंचकर उनका दुख-दर्द जाना और राहत सामग्री बांटी। स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टरों से दवाओं व व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। बाढ़ पीड़ितों से शासन से मिली राहत सामग्री, अन्न, चिकित्सा आदि सुविधाओं की हकीकत जानी। उन्होंने बच्चों को पास बुलाकर चॉकलेट भी दी। मुख्यमंत्री ने अक्टूबर में आई बाढ़ विभीषिका पर चिंता जताई। सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव को फैजुल्लागंज से लेकर नैमिष तक नदी के तट का सर्वे कराते हुए तटबंध बनवाने का निर्देश दिया।





स्कूल, मैरिज हॉल आदि में रुकने, भोजन आदि की व्यवस्था हो

सीएम ने बाढ़ पीड़ितों से खुले में सोने की बजाय स्कूल, मैरिज हॉल में ठहरने की अपील की है। अधिकारियों को निर्देश दिया कि वहां गर्म भोजन, बच्चों को दूध, गर्भवती महिलाओं को पोषक आहार, पशुओं के चारे, भूसा-चोकर की व्यवस्था हो। साथ ही पानी के कारण पशुओं को होने वाली बीमारी से भी बचाव की व्यवस्था की जाए।

> सीएम ने कहा कि एलडीए ने ग्रीन कॉरिडोर बनवाया है, यह सड़क और सुरक्षा दोनों का काम कर रहा है। इसी तरह तटबंध पर चलने की भी व्यवस्था कराएंगे।

उन्होंने कहा कि गांव से बरसात का पानी निकालने पंपिंग सेट की व्यवस्था की जाए।

>> (शेष पेज 06 पर)

तीन अस्पतालों को ममता बनर्जी का कानूनी नोटिस

पूछा- मेरी मेडिकल रिपोर्ट शुभेंदु अधिकारी तक कैसे पहुंची

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । 2021 में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पैर में फ्रैक्चर का दावा करने वाली ममता बनर्जी ने सोमवार को 3 अस्पतालों को कानूनी नोटिस भेजा है। उन्होंने पूछा है कि उनके इलाज से जुड़े मेडिकल रिकॉर्ड पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी तक कैसे पहुंचे। यह मामला तब सामने आया है, जब शुभेंदु ने 3 अक्टूबर को आरोप लगाया कि ममता ने 2021 के चुनाव के दौरान अपनी चोट को लेकर गलत दावे किए थे। उन्होंने कहा कि वे इस मामले की जांच कराएंगे। दरअसल, 10 मार्च 2021 को नंदीग्राम में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान ममता घायल हुई थीं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 4-5 लोगों ने उन्हें धक्का दिया, जिससे कार का दरवाजा उनके पैर से टकराया और उनका पैर फैक्चर हो गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)



- 2021 में व्हीलचेयर पर बैठकर प्रचार किया था

ममता ने नोटिस में पूछा- मेरी सहमति क्यों नहीं ली गई

यह नोटिस 5 अक्टूबर को SSKM अस्पताल के निदेशक डॉ. मणिमय बंद्योपाध्याय, बांगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज के मेडिकल सुपरिटेंडेंट और वाइस प्रिंसिपल डॉ. पिजुश कुमार रॉय को और बांगुर इंस्टीट्यूट के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. अतनु विश्वास को भेजा गया है। ममता ने पूछा है कि मेडिकल रिकॉर्ड जारी करने से पहले उनकी सहमति ली गई थी या नहीं।

>> (शेष 06 पर)

एनकाउंटर के डर से सहमे माता-पिता ■ 3 साल से गयाजी जेल में बंद था मोस्टवॉन्टेड

माफिया अतीक के शूटर को यूपी लेकर आई पुलिस

कस्टडी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज के उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी अरमान को यूपी पुलिस गयाजी जेल से ला रही है। रविवार शाम करीब 6 बजे पुलिस को ट्रांजिट रिमांड की कॉपी मिली। इसके बाद अरमान को कस्टडी में लिया गया।

बिहार पुलिस की मौजूदगी में उसे गयाजी सेंट्रल जेल से बाहर निकाला गया। पुलिस ने उसका मेडिकल कराया। इसके बाद उसे सड़क मार्ग से प्रयागराज के लिए रवाना किया गया। उसके साथ यूपी और बिहार



पुलिस की टीमें हैं। अरमान को सोमवार को प्रयागराज की जिला कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस उसे उमेश पाल हत्याकांड की जांच में शामिल करेगी। आरोपी अरमान के पिता शमीम ने कहा- उमेश पाल हत्याकांड के ज्यादातर आरोपी पुलिस मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। अरमान का भी हथियार बरामदगी के नाम पर एनकाउंटर किया जा सकता है। मां असगरी खातून ने कहा कि मेरे बेटे को बलि का बकरा बनाया जा रहा है। हमारा परिवार बहुत गरीब है। हमारे पास रहने के लिए अपना पक्का मकान तक नहीं है। उन्होंने बताया कि अरमान पहले प्रयागराज में रहकर छोटा-मोटा काम करता था। वह कोई पेशेवर अपराधी या बड़ा शूटर नहीं है। वह पिछले 3 साल से जेल में बंद है। उन्होंने सीएम योगी और प्रशासन से अरमान की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

अरमान के छोटे भाई इमरान ने कहा कि पहले भी हम आशंका जता चुके हैं कि भाई की जान को खतरा है। अब यूपी पुलिस उसे प्रयागराज ले गई है। डर है कि अरमान के साथ भी कोई अनहोनी न हो जाए।

परिवार बोला- पुलिस ने हमें जानकारी नहीं दी

अरमान को यूपी ले जाने की सूचना के बाद उसके पिता शमीम और मां असगरी खातून को एनकाउंटर का डर सता रहा है। उनका कहना है कि यूपी ले जाते ही उनके बेटे का एनकाउंटर हो सकता है। अरमान के पिता ने गया कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। इसमें उन्होंने अरमान को यूपी पुलिस के हवाले न करने की मांग की थी। उनका कहना है कि अगर पुलिस को पूछताछ करनी है, तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की जाए।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद से यूपी पुलिस अरमान की तलाश कर रही थी। बाद में पता चला कि वह बिहार के गया जेल में दूसरे मामले में बंद है। इसके बाद यूपी पुलिस ने उसे प्रयागराज लाने के लिए ट्रांजिट रिमांड की प्रक्रिया शुरू की। अरमान माफिया अतीक अहमद का शूटर था।

अरमान के वकील बोले- जेल प्रशासन और पुलिस की मिलीभगत

गया के मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार की कोर्ट में अरमान के माता-पिता की अर्जी पर 1 अक्टूबर को सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने अरमान के घरवालों और वकील की अर्जी को खारिज कर दिया था। अरमान के वकील ललित कुमार गुप्ता ने इस बात की पुष्टि की है।

वकील ने पुलिस और जेल प्रशासन पर आरोप लगाए। कहा- अरमान की जान को खतरा है। यूपी में अरमान की हत्या हो सकती है। यूपी पुलिस और गयाजी सेंट्रल जेल प्रशासन की मिलीभगत से मोहम्मद अरमान की हत्या करने की साजिश रची जा रही है।



■ यह तस्वीर उमेश पाल हत्याकांड की है। इसमें आरोपी अरमान भी गोलियां चलाते दिखा था।

टिकट कटने के बाद बीजेपी ने नहीं मनाया : संजयन

सपा आते ही पुरानी पेंशन और वित्तविहीन शिक्षकों का मानदेय बढ़ेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की चुनावी जंग अब और दिलचस्प हो गई है। बीजेपी से लगातार दूसरी बार टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दल प्रत्याशी के रूप में नामांकन करने वाले डॉ. संजयन त्रिपाठी ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में उन्हें सदस्यता दिलाई। इसके साथ ही डॉ. संजयन को इस सीट से सपा का अधिकृत प्रत्याशी बनाया गया है। डॉ. संजयन ने बातचीत में कहा कि वे लंबे समय से बीजेपी से जुड़े रहे हैं और 2010 तथा 2017 में गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़कर दूसरे स्थान पर रहे थे।

2023 में उन्होंने बीजेपी से टिकट के लिए आवेदन किया, लेकिन



टिकट नहीं मिला। इसके बावजूद उन्होंने पार्टी का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने बताया कि 2026 के शिक्षक एमएलसी चुनाव की तैयारी भी उन्होंने पार्टी के कहने पर शुरू की थी। इस बार भी टिकट कटने के बाद उन्हें निराशा हुई। उनके मुताबिक, पार्टी हाईकमान की ओर से उन्हें कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने 1 तारीख को निर्दल प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल किया। डॉ संजयन्द्र त्रिपाठी ने बात करते हुए पिछले दिनों के राजनीति उठापठक को बताया और उन्होंने भाजपा से सपा में जाने की पूरी वजह भी खुलकर बताई।

फास्ट न्यूज

बस ने ऑटो को टक्कर मारी, पिता पुत्री की मौत

बाराबंकी । बाराबंकी के पलहरी में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक सड़क हादसा हुआ। अज्ञात बस की टक्कर से ऑटो सवार 40 साल के मन्ने और उनकी पांच साल की बेटी साईमा की मौके पर ही मौत हो गई। मन्ने की पत्नी गंभीर घायल हैं। प्रत्यक्ष-दर्शियों के अनुसार, परिवार ऑटो से जा रहा था। तभी बस ने टक्कर मारी और ऑटो बुरी तरह टूट गया।

बाराबंकी में खेतों में घूमता दिखा तेंदुआ

बाराबंकी। बाराबंकी के हैदरगढ़ क्षेत्र की ग्रामसभा शरीफाबाद में सोमवार सुबह खेतों के बीच तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने तेंदुए को चहलकदमी करते देखा। इसका करीब 18 सेकंड का वीडियो भी बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। तमसा संकेत वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। ग्रामीणों के मुताबिक, शरीफाबाद में 50 दिन से ज्यादा समय से तेंदुए की हलचल बनी हुई है। वन विभाग की ओर से तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा भी लगाया गया था। ग्रामीणों का दावा है कि तेंदुए ने गांव में कई जानवरों को भी अपना शिकार बनाया है।

बाराबंकी कोर्ट में वकीलों के वाहनों की एंट्री पर रोक

बाराबंकी । बाराबंकी दीवानी एवं सत्र न्यायालय में वकीलों के वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इस आदेश से वकीलों में नाराजगी है और उन्होंने प्रशासन से फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है। जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा ने इस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कई बुजुर्ग वकीलों को चलने में दिक्कत होती है, उनके लिए लंबी दूरी पैदल तय करना मुश्किल है।

दालमंडी में 5 मकानों पर चला पीडब्ल्यूडी का बुलडोजर

181 में ज्यादातर मकान पहले ही हटाए जा चुके

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी की दालमंडी मार्केट चौड़ीकरण योजना के तहत सोमवार को 5 मकानों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू हो गई है। जेसीबी मशीनों से ध्वस्तीकरण का काम कराया जा रहा है।सुरक्षा के लिए करीब 200 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, इनमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

कार्रवाई से पहले पीडब्ल्यूडी ने रविवार को सभी मकानों पर मुनादी कराकर लोगों से उन्हें खाली करने को कहा था। दालमंडी में चौड़ीकरण के लिए 181 मकान चिह्नित किए गए थे। इनमें ज्यादातर मकान पहले ही हटाए जा चुके हैं।

अब बचे 5 मकानों को हटाने के बाद गहरी सीवर लाइन और बिजली के तार अंडरग्राउंड करने का काम आगे बढ़ाया जाएगा।



पीडब्ल्यूडी के अभियंता केके सिंह ने बताया - दालमंडी चौड़ीकरण में सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए कार्रवाई तेजी से की जा रही है। गहरे सीवर लाइन का काम शुरू कर दिया गया है। वहीं बिजली तार भी अंडरग्राउंड डाले जा रहे हैं।

इसी क्रम में सोमवार को 5 मकानों का ध्वस्तीकरण कराया जाएगा। इन सभी मकान मालिकों को मुआवजा दिया जा चुका है। ऐसे में इसमें रह रहे लोगों को इस बात की सूचना दी जा चुकी है कि इसे खाली कर दें ताकि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई आसानी से की जा सके।

बदलते मौसम के कारण ग्रामीणों में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है

जमीयत उलमा ने मुफ्त चिकित्सकीय शिविर का किया आयोजन खतरा बढ़ा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सरयू-घाघरा की बाढ़ और कटान से प्रभावित हेतमापुर गांव में आपदा के बीच स्वास्थ्य संबंधी राहत देने के लिए जमीयत उलमा बाराबंकी की ओर से मुफ्त चिकित्सकीय शिविर लगाया गया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और जरूरत के अनुसार उन्हें निशुल्क दवाएं उपलब्ध कराईं। शिविर में करीब 300 से अधिक मरीजों की जांच किए जाने की जानकारी दी गई।

बाढ़ के दौरान लंबे समय तक जलभराव, गंदगी, दूषित पानी और बदलते मौसम के कारण ग्रामीणों में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का



खतरा बढ़ जाता है। ऐसे समय में गांव के भीतर ही चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध होने से प्रभावित परिवारों को काफी राहत मिली। उन्होंने बताया कि जमीयत उलमा हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना सैयद महमूद मदनी के निर्देश पर आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सहायता और सेवा का सिलसिला जारी रखा जाता है। उन्होंने कहा कि हेतमापुर में चिकित्सा शिविर जामिया दारुर्रशाद बंकी के मोहतमिम मौलाना सैयद अब्दुल हमीद कासमी, उपाध्यक्ष जमीयत उलमा बाराबंकी, के संरक्षण तथा मौलाना मुहम्मद जमाल कासमी, महासचिव जमीयत उलमा बाराबंकी, के प्रयासों से आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक बिना किसी भेदभाव के स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। मौलाना अजहर कासमी ने कहा कि खिदमते-खल्क को महान इबादत माना गया है। किसी परेशान व्यक्ति की तकलीफ कम करना और कठिन समय में उसके साथ खड़ा होना समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और हमदर्दी को मजबूत करता है। बाढ़ जैसी आपदा में प्रभावित परिवारों को अकेला छोड़ने के बजाय उनकी हरसंभव मदद करना सामूहिक जिम्मेदारी है।

300 से अधिक मरीजों का चिकित्सकीय परीक्षण किया गया

शिविर की अगुवाई कर रहे एबीसी हॉस्पिटल बाराबंकी के निदेशक डॉ. एसएम आलम ने बताया कि शिविर में 300 से अधिक मरीजों का चिकित्सकीय परीक्षण किया गया और उन्हें निशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में समय पर स्वास्थ्य जांच और दवा उपलब्ध होना बेहद जरूरी है, ताकि सामान्य बीमारियां गंभीर रूप न ले सकें। शिविर में मुहम्मद नाजिम, मुहम्मद मिनहाज और मुहम्मद कैफ ने पंजीकरण एवं फार्मेसी की जिम्मेदारी संभाली।



कई ग्रामीणों ने चिकित्सकों से अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बताईं और जांच के बाद उन्हें आवश्यक दवाएं दी गईं। जमीयत उलमाए हिंद बाराबंकी के जिला सचिव मौलाना सैयद मुहम्मद अजहर कासमी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय प्रभावित लोगों तक राहत और जरूरी सुविधाएं पहुंचाना संगठन की प्राथमिकता है।

कहा- आपको पता होना चाहिए कब मुंह खोलना है, आपकी जगह जेल में है

सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव को फटकारा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। चेक बाउंस के सात मामलों में दोषी अभिनेता राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट के आदेश के बावजूद 5 करोड़ रुपए जमा नहीं करने पर जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा, ₹इस अहंकार को सही जगह दिखानी होगी। आपको पता होना चाहिए कि कब मुंह खोलना है। आपकी जगह जेल में है।

सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव को एक और मौका देते हुए मंगलवार तक भुगतान करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को होगी और इसे दिन की पहली सुनवाई के तौर पर सूचीबद्ध किया गया है। कोर्ट ने इससे पहले



भी उन्हें भुगतान के लिए समय दिया था।

यह मामला करीब 16 साल पुराना है। शिकायतकर्ता कंपनी के मुताबिक, 2010 में राजपाल यादव को उनकी फिल्म 'अता पता लापता' के लिए करीब 5 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद दी गई थी। फिल्म के निर्देशन और निर्माण से जुड़े राजपाल यादव पर रकम लौटाने की जिम्मेदारी थी। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौते हुए और भुगतान के लिए चेक जारी किए गए, लेकिन उनमें से सात चेक बाउंस हो गए। मामले में राजपाल यादव को दोषी ठहराया गया था। जुलाई 2026 में दिल्ली हाईकोर्ट ने सातों मामलों में उनकी सजा बरकरार रखते हुए तीन महीने की साधारण जेल की सजा सुनाई थी। सभी सजाएं एक साथ चलने का आदेश दिया गया था। इसके बाद राजपाल यादव ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी।

कोर्ट में 50 लाख का डिमांड ड्राफ्ट दिखाया

सुनवाई के दौरान राजपाल यादव की ओर से 50 लाख रुपए के डिमांड ड्राफ्ट की कॉपी पेश की गई। उनके वकील ने बताया कि ड्राफ्ट बैंक में प्रोसेस हो रहा है। इस पर बेंच ने कहा कि उसे अभी यह भी नहीं पता कि ड्राफ्ट वास्तविक है या नहीं। कोर्ट ने यह भी कहा कि राजपाल यादव को 5 अक्टूबर तक 5 करोड़ रुपए जमा करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसका पालन नहीं किया। शिकायतकर्ता की ओर से पेश वकील ने राजपाल यादव के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि अभिनेता कोर्ट में भी 'एक्टिंग' कर रहे हैं। जब राजपाल यादव के वकील ने कहा कि शिकायतकर्ता गरीब नहीं हैं, तो जस्टिस बागची ने जवाब दिया कि वे भले ही ज्यादा अमीर हों, लेकिन जिस रकम से उन्हें नुकसान हुआ है, उस हद तक वे गरीब हैं।

प्रेस क्लब ने बीआरजी इंटर कॉलेज के प्रबंधक को किया सम्मानित

अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंटकर दी शुभकामनाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। अंतरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के योगदान को सम्मान देने और शिक्षा के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से प्रेस क्लब फतेहपुर का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को सूरतगंज क्षेत्र के बरैय्या स्थित बीआरजी इंटर कॉलेज पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय के प्रबंधक संजय कुमार वर्मा को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान शिक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों के भविष्य और ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर भी चर्चा हुई।

प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षक किसी भी समाज की मजबूत नींव तैयार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। विद्यालय में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने के साथ ही उनके व्यक्तित्व निर्माण,



संस्कार, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारियों का बोध कराने का काम भी शिक्षक करते हैं। यही विद्यार्थी आगे चलकर समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का महत्व और अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि यहां के विद्यालयों से निकलने वाले विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षकों का मार्गदर्शन विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को पहचानने और लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करता है। ऐसे में शिक्षकों के योगदान को सम्मानित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रतिनिधिमंडल ने बीआरजी इंटर कॉलेज के प्रबंधक संजय कुमार वर्मा को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की।

पर्चा : मौजूदा एमएलसी ध्रुव त्रिपाठी ने पर्चा दाखिल किया, रनर रहे अजय सिंह का भी नामांकन

गोरखपुर में 12 उम्मीदवारों ने नामांकन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में विधान परिषद की शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी के चुनाव के लिए सोमवार को बड़ी संख्या में प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल किया। लगातार तीन बार से एमएलसी चुने जा रहे ध्रुव त्रिपाठी ने दो सेट में भाजपा के सिंबल पर अपना पर्चा भरा।

2020 के चुनाव में दूसरा स्थान पाने वाले अजय सिंह ने भी नामांकन कर दिया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के के डॉ. राकेश सिंह सहि 13 लोगों पर्चा भरा। नामांकन से पहले सभी प्रत्याशियों ने अलग-अलग स्थानों पर सभा आयाजित कर अपनी उपलब्धियां बताईं।

शिक्षक एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने सुबह पर्चा दाखिल किया। उसके बाद एमपी इंटर कॉलेज में स्थित मैदान पर आयोजित सभा में





■ एमएलसी प्रत्याशी देव भास्कर तिवारी, संगीता सिंह व अजीत कुमार सिंह ने अपना पर्चा दाखिल किया।

जुलूस के साथ पहुंचे नामांकन स्थल

ध्रुव त्रिपाठी की नामांकन सभा एमपी इंटर कॉलेज में आयोजित हुई। प्रदेश के जलशक्ति मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह तथा प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा मंच पर मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने कहा कि कोई कितना भी जोर लगा ले, इस बार भी ध्रुव त्रिपाठी भारी अंतर से चुनाव जीतेंगे। गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर आदि जिलों से भाजपा विधायक भी नामांकन कार्यक्रम में पहुंचे थे। सभी ने मंच से हुंकार भरी7 अलग-अलग जिलों से प्रधानाचार्य एवं शिक्षक भी इस कार्यक्रम में पहुंचे। सभा खत्म होने के बाद अजय सिंह भी जुलूस के साथ कमिश्नरी पहुंचे और वहां अपना नामांकन किया।

गए। वहां से जुलूस की शक्ल में एक बार फिर कमिश्नर कार्यालय पहुंचे और एक और सेट में अपना पर्चा दाखिल किया। ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि उनकी जीत इस बार भी पक्की है।

उन्होंने बिना नाम लिए सपा के उम्मीदवार संजयन त्रिपाठी पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग बहुत पहले से लाल बत्ती चाहते हैं, लेकिन सपना पूरा नहीं हो पा रहा। पिछले चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे अजय सिंह ने भी अपना नामांकन किया। उन्होंने कहा कि इस बार वित्त विहीन शिक्षक उनके पक्ष में एकतरफा वोट करेंगे।

इन्होंने भी किया नामांकन

ध्रुव त्रिपाठी, अजय सिंह, डॉ. राकेश सिंह के अलावा निरंकार राम त्रिपाठी, राम प्रताप राम, अजीत कुमार सिंह, संगीता सिंह, देव भास्कर तिवारी, राजेश पांडेय, शिव श्याम यादव, दिनेश कुमार मिश्र व पंकज कुमार ने अपना पर्चा दाखिल किया। इसके अतिरिक्त सत्यपाल सिंह ने तीसरे सेट में पर्चा भरा।

कोडीन कफ सिरप माफिया शुभम की पत्नी के खिलाफ वारंट

वाराणसी में संपत्तियों की जांच में वैशाली बनी आरोपी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी के कोडीन कफ सिरप मामले में फरार चल रहे शुभम जायसवाल की पत्नी वैशाली जायसवाल उर्फ वैशाली पोसवानी के खिलाफ कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया है कि वैशाली को गिरफ्तार कर पेश किया जाए।

पुलिस की जांच में शुभम की संपत्तियों और शराब ठेकों में वैशाली का नाम सामने आया है। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट में गिरफ्तारी वारंट जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था, जिस पर कोर्ट ने यह आदेश दिया। शुभम और वैशाली दोनों 10 महीने से ज्यादा समय से फरार हैं। पुलिस ने वैशाली की तलाश में जगतगंज स्थित उसके घर के अलावा रिश्तेदारों और पड़ोसियों से पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस की जांच में सामने आया कि कोडीन कफ सिरप से अर्जित



रकम से शुभम ने कई संपत्तियां खरीदीं। इसके अलावा शराब के ठेके भी खोले गए, जिनमें पत्नी वैशाली का नाम सामने आया है। इसी आधार पर पुलिस ने कोर्ट से वैशाली के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की मांग की थी।

कोतवाली थाना प्रभारी दयाशंकर सिंह ने बताया कि वैशाली, शुभम के फरार होने के बाद से ही फरार है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। कोर्ट से वारंट जारी होने के बाद वैशाली की तलाश और तेज कर दी गई है। उसके जगतगंज स्थित घर के साथ रिश्तेदारों और संभावित ठिकानों पर भी दबिश दी जा रही है।

वित्त विहीन शिक्षकों को दिलाएंगे सेवा सुरक्षा

गोरखपुर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सोमवार को 13 दावेदारों ने नामांकन किए। इनमें 3 बार से इस सीट से जीत दर्ज कर रहे ध्रुव त्रिपाठी, पिछले चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे अजय सिंह भी शामिल रहे। 18 साल से सदन में शिक्षकों का प्रतिनिधित्व कर रहे ध्रुव त्रिपाठी का कहना है कि वह शिक्षक हितों के लिए लड़ते रहेंगे।

इस सरकार ने काफी अच्छा काम किया है और आगे जो समस्याएं आएंगी, उसे भी दूर कराया जाएगा। वहीं, अजय सिंह ने कहा कि जो शिक्षकों की बात करेगा, वहीं सदन में जाएगा। दोनों शिक्षक नेताओं ने दावा किया है कि वे वित्त विहीन शिक्षकों को सेवा सुरक्षा का लाभ दिलाएंगे। सभी ने एक बार फिर पुरानी पेंशन की मांग दोहरायी। ध्रुव त्रिपाठी ने दो सेटों में अपना नामांकन किया है। उनके साथ नामांकन स्थल पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट) के नेता एवं महानगर भाजपा के कुछ पदाधिकारी नजर आए।

हादसे ने खोली मोबाइल लूट की परत !

हादसा

गडडगवा चौराहे पर वारदात के बाद भाग रहे पांच युवकों में चार दबोचे गए

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। आलापुर के चहोड़ा के गडडगवा चौराहे पर सोमवार को दो बाइकों की भिड़ंत के बाद मामला अचानक गंभीर हो गया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। इसी बीच मौके से भाग रहे पांच युवकों को पकड़ने के लिए पुलिस ने पीछा किया। चार युवक पुलिस की पकड़ में आ गए, जबकि एक फरार हो गया। पकड़े गए युवकों में एक के पास से कट्टा मिलने की बात पुलिस ने बताई है। वहीं, घटना के बाद फैली फायरिंग की सूचना को पुलिस ने अफवाह बताया है।

पकड़े गए युवकों में से एक के पास से कट्टा बरामद होने की बात पुलिस ने बताई है। बरामद हथियार को लेकर भी पुलिस कार्रवाई कर रही है। इधर, हादसे के बाद इलाके में फायरिंग होने की अफवाह फैल गई। इससे कुछ देर के लिए चौराहे और आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि फायरिंग की कोई घटना सामने नहीं आई है। 112 पुलिस के सिपाही



हादसे के बाद भागे युवक, पुलिस ने पीछा कर दबोचा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद पांच युवक मौके से भागने लगे। सूचना मिलने पर 112 पुलिस ने पीछा किया। चार युवकों को पकड़ लिया गया। हरिवंशपुर, थाना पौली, संतकबीरनगर निवासी विजय कुमार (18) हादसे में घायल था। उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर ले जाकर उपचार कराया गया। आलापुर थानाध्यक्ष शशांक शुक्ला भी पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल युवक से घटना के संबंध में जानकारी ली। एक युवक पुलिस की पकड़ से बाहर है और उसकी तलाश की जा रही है।

टक्कर में मूंगफली कारोबारी की मौत

शनिचरा बाजार, थाना धनघटा, संतकबीरनगर निवासी महेंद्र पुत्र राममिलन मूंगफली का कारोबार करते थे। सोमवार को वह रामनगर से चहोड़ा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बिड़हर घाट की ओर से हंसवर बाजार जा रहे दो बाइकों पर सवार पांच युवक गडडगवा चौराहे के पास पहुंचे। दोनों बाइकों की भिड़ंत में महेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को जानकारी दी गई।

पुलिस के सामने यह आरोप भी आया है कि पांचों युवक मोबाइल छीनकर भाग रहे थे। इसी दौरान दोनों बाइकों की भिड़ंत हुई। हालांकि मोबाइल छीनने के आरोप की पुष्टि जांच के बाद होगी। पुलिस पकड़े गए युवकों से पूछताछ कर घटना की पूरी कड़ी जोड़ने में जुटी है।

अनिल कुमार, राम अवतार यादव, अभिषेक यादव और रमेश गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। पुलिस ने महेंद्र के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। महेंद्र अपने पीछे पत्नी सीतापति और इकलौते पुत्र नरेंद्र को छोड़ गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस अब मोबाइल छीनने के आरोप, दोनों बाइकों की भिड़ंत, कट्टा बरामद होने और फरार युवक से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। पकड़े गए युवकों से पूछताछ के आधार पर घटना की पूरी तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

80 लाख से हाईटेक निगरानी, आठ प्रमुख स्थानों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

सेफ सिटी योजना में चौराहों और संवेदनशील स्थानों का चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर नगर पालिका क्षेत्र में सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी तेज हो गई है। सेफ सिटी योजना के तहत शहर के आठ प्रमुख और संवेदनशील स्थानों पर हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। परियोजना पर करीब 80 लाख रुपये खर्च होंगे। टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब वर्क ऑर्डर जारी होने के बाद कैमरे लगाने का काम शुरू होगा। नगर पालिका ने कैमरे लगाने के लिए प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों को चिह्नित किया है। यहां सीसीटीवी कैमरों के साथ साउंड सिस्टम और सर्विलांस सिस्टम भी लगाया जाएगा। कैमरों के माध्यम से प्रमुख मार्गों और चयनित स्थानों पर निगरानी रखी जा सकेगी।

निगरानी व्यवस्था का इस्तेमाल यातायात पर नजर रखने में भी किया जाएगा। प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जाम की स्थिति की जानकारी कंट्रोल रूम तक पहुंच सकेगी। किसी अप्रिय घटना की स्थिति में भी कैमरों से मौके की जानकारी लेने में मदद मिलेगी। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश वर्मा ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे लगाने की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब वर्क ऑर्डर जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शहर में कैमरे लगाने का काम शुरू कराया जाएगा।



इन आठ स्थानों पर लगेगा निगरानी तंत्र

सेफ सिटी योजना में गौहन्ना चौराहा, पटेल नगर तिराहा, न्यौतरिया, तहसील तिराहा, संघतिया, दोस्तपुर चौराहा, फव्वारा तिराहा और मालीपुर पुलिस चौकी को शामिल किया गया है।

इन स्थानों पर लगाए जाने वाले कैमरों की लाइव मॉनिटरिंग नगर पालिका कार्यालय में तैयार किए जा रहे मुख्य कंट्रोल रूम से की जाएगी। कैमरों की रिकॉर्डिंग से किसी घटना या संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में जांच के लिए फुटेज उपलब्ध हो सकेगी।

फास्ट न्यूज

सम्हरिया चौराहे पर सेवा संकल्प यात्रा का स्वागत

अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर निकाली जा रही सेवा संकल्प यात्रा सोमवार को टांडा विधानसभा क्षेत्र पहुंची। सम्हरिया चौराहे पर विधानसभा क्षेत्र के लोगों और कार्यकर्ताओं ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा के पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा की। यात्रियों को अंगवस्त्र भेंट किए गए।

कुर्की बाजार में एसपी ने किया पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था परखी

अंबेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने सोमवार को सम्मनपुर थाना क्षेत्र के कुर्की बाजार में पैदल गश्त कर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बाजार में पुलिस की मौजूदगी और सुरक्षा व्यवस्था को परखा। एसपी ने स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने लोगों को सुरक्षित माहौल बनाए रखने के लिए पुलिस की सक्रियता का भरोसा दिलाया।

गश्त के दौरान एसपी ने संबंधित पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में लगातार सतर्क रहने के निर्देश दिए।

जेसीबी से मकान गिराने का आरोप

अंबेडकरनगर। अकबरपुर नगर क्षेत्र के मीरानपुर पुलसावां में जेसीबी से छप्परनुमा मकान गिराए जाने के विरोध में महिला ने कलेक्ट्रेट के पास स्थित डॉ. आंबेडकर प्रतिमा प्रांगण में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। सुशीला देवी ने नगर पालिका कर्मचारियों पर बिना किसी सक्षम अधिकारी का आदेश दिखाए मकान और गृहस्थी का सामान हटाने का आरोप लगाया है।

नवरात्र से पहले बिजली विभाग ने कसी कमर

11 केवी लाइनों से हटाईं पेड़ों की डालियां

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नवरात्र और दीपावली से पहले अकबरपुर शहर की बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए विद्युत विभाग ने अनुरक्षण कार्य तेज कर दिया है। रविवार को अवकाश के दिन भी कर्मचारियों ने 11 केवी लाइनों के आसपास ट्री कटिंग और लाइन मेंटिनेंस का काम किया। इसका उद्देश्य पेड़ों की डालियों से लाइन में होने वाले व्यवधान को कम करना है। अवर अभियंता ई. संजय यादव की देखरेख में कर्मचारियों ने बसखारी रोड स्थित पटेल नगर तिराहे से बसपा कार्यालय तक और बसखारी रोड से ऑलियापुर तक काम कराया। बिजली लाइनों के आसपास बढ़ी पेड़ों की डालियों और अन्य अवरोधों को हटाया गया। लाइन के आसपास सफाई के साथ आवश्यक अनुरक्षण कार्य भी किए गए। नवरात्र और दीपावली के दौरान शहर में बिजली की मांग बढ़ने की संभावना रहती है। घरों और प्रतिष्ठानों में रोशनी के साथ धार्मिक आयोजनों के कारण भी बिजली का इस्तेमाल बढ़ता है।



छुट्टी के दिन भी चला अनुरक्षण अभियान, पटेल नगर से ऑलियापुर तक लाइन की ट्री कटिंग ट्रिपिंग कम करने की तैयारी

अब शिकायत गई तो दर्ज होगी पूरी कहानी

स्वास्थ्य विभाग बनाएगा अलग रजिस्टर

प्रार्थना पत्र से निस्तारण तक हर कदम का रहेगा रिकॉर्ड

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। स्वास्थ्य विभाग में शिकायतों के निस्तारण को लेकर नई व्यवस्था शुरू की जाएगी। अब शिकायतकर्ताओं के प्रार्थना पत्रों का अलग रजिस्टर बनाया जाएगा। इसमें शिकायत मिलने से लेकर उसके निस्तारण तक का पूरा विवरण दर्ज किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार ने इसके लिए कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं। अभी शिकायतों के निस्तारण को लेकर लोगों को कई बार समस्या का सामना करना पड़ता है। शिकायत देने के बाद उसकी स्थिति की जानकारी नहीं मिल पाती। ऐसे मामलों को देखते हुए सीएमओ ने शिकायतों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखने की व्यवस्था करने को कहा है।नए रजिस्टर में शिकायतकर्ता के



प्रार्थना पत्र का विवरण दर्ज किया जाएगा। शिकायत कब प्राप्त हुई, किस अधिकारी या कर्मचारी को कार्रवाई के लिए दी गई और उस पर क्या कार्रवाई हुई, इसका रिकॉर्ड रखा जाएगा। निस्तारण की स्थिति भी दर्ज की जाएगी। इससे किसी शिकायत के लंबित रहने की स्थिति में उसकी जानकारी रिकॉर्ड से मिल सकेगी। संबंधित कर्मचारी से कार्रवाई के बारे में जानकारी भी ली जा सकेगी। सीएमओ ने कर्मचारियों को शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी है। प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर समय से कार्रवाई करने और निस्तारण की जानकारी दर्ज करने को कहा गया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य शिकायतों के रिकॉर्ड को व्यवस्थित करना और उनके निस्तारण की निगरानी आसान बनाना है। इससे शिकायतकर्ता की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र की स्थिति भी दर्ज रिकॉर्ड के आधार पर देखी जा सकेगी।

फरियादियों की शिकायतें सुनने पुलिस कार्यालय पहुंचीं एसपी

अधिकारियों को दिए निस्तारण के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पुलिस कार्यालय में सोमवार को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जनसुनवाई की। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें रखीं। एसपी ने शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों से मामलों की जानकारी ली। जनसुनवाई के दौरान शिकायतों की वर्तमान स्थिति के बारे में संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली गई। इसके बाद एसपी ने प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार परीक्षण कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

एसपी ने अधिकारियों से शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने फरियादियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बरतने और प्रकरण के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में गंभीरता बरती जाए। प्रत्येक मामले में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि फरियादियों को अनावश्यक परेशानी न हो।



जनसुनवाई में अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे लोग, एसपी ने संबंधित अधिकारियों से शिकायतों की स्थिति जानी

गौरा बसंतपुर-कुर्मी डीहा समेत कई गांवों के लोगों की परेशानी का मामला

रेलवे की बाउंड्री बनी गांवों की राह में बाधा

- अंडरपास के लिए सांसद ने उठाई आवाज
- स्कूल से राशन की दुकान तक जाने के लिए बदलना पड़ रहा रास्ता

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रेलवे की बाउंड्री से गौरा बसंतपुर, कुर्मी डीहा, नकटहा, पांडेय का पूरा और रामदास पट्टी समेत आसपास के गांवों के लोगों की आवाजाही प्रभावित होने का मामला सामने आया है। गांवों के लोगों की समस्या को लेकर सांसद लालजी वर्मा ने उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अधिकारियों को पत्र भेजा है। उन्होंने ग्रामीणों के लिए रेलवे लाइन के नीचे अंडरपास बनवाने की मांग की है।



लालजी वर्मा

दिनांक—04.10.2026

मण्डल रेल प्रबन्धक,
उत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल।

महोदय,

सविनय प्रार्थना पत्र जो कि ग्रामसभा कुर्मीडीहा, नकटहा, पाण्डेय का पूरा, रामदास पट्टी, गौरा बसन्तपुर के ग्रामवासियों का है अवलोकन करने का कष्ट करें। वाराणसी जफराबाद रेलखण्ड के पोल नम्बर-920 पर स्थित गौरा बसन्तपुर कुर्मीडीहा के लोगों को आवागमन रेलवे द्वारा बाउण्ड्री बनाकर बन्द कर दिया गया है जिसके कारण लगभग दर्जनों गावों के लोगों को आवागमन में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उपरोक्त सभी रेलवे लाईन के उत्तर स्थित है जबकि प्राथमिक विद्यालय, पंचायत भवन, राशन कोटा की दुकान, पुलिस स्टेशन, गैस गोदाम पेट्रोल पम्प आदि रेलवे पटरी के दक्षिण स्थित है।

अतः अनुरोध है कि जनहित में उपरोक्त ग्रामवासियों के आवागमन हेतु पोल नम्बर-920 पर अण्डरपास का निर्माण कार्य कराये जाने की स्वीकृत हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय
(लालजी वर्मा)

सांसद ने रेलवे अधिकारियों को भेजे पत्र में बताया है कि संबंधित गांव रेलवे लाइन के एक तरफ स्थित हैं। वहीं प्राथमिक विद्यालय, पंचायत भवन, राशन की दुकान, पुलिस स्टेशन, गैस गोदाम और पेट्रोल पंप समेत कई जरूरी स्थान दूसरी तरफ हैं। रेलवे की बाउंड्री बनाए जाने के बाद दोनों तरफ आने-जाने का रास्ता प्रभावित हुआ है।

सांसद ने रेलवे अधिकारियों से ग्रामीणों की समस्या को जनहित का मामला मानते हुए मौके का निरीक्षण कराने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि गांवों के लोगों के आवागमन के लिए रेलवे लाइन के नीचे अंडरपास का निर्माण कराया जाना जरूरी है।

उनकी ओर से रेलवे अधिकारियों से अंडरपास निर्माण की स्वीकृति के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। ग्रामीणों की मांग है कि समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि स्कूल, पंचायत भवन और अन्य जरूरी सुविधाओं तक पहुंचने में परेशानी न हो।

बच्चों से लेकर रोजमर्रा के काम तक प्रभावित

गांवों के लोगों को स्कूल, पंचायत भवन और राशन की दुकान जैसे जरूरी स्थानों तक पहुंचने के लिए रेलवे लाइन के दूसरी तरफ जाना पड़ता है। पुलिस स्टेशन, गैस गोदाम और पेट्रोल पंप भी दूसरी दिशा में होने से रोजाना आने-जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि पहले जिन रास्तों से लोग आसानी से आते-जाते थे, रेलवे की बाउंड्री बनने के बाद वहां आवागमन बाधित हो गया है। इससे आसपास के कई गांवों के लोगों के सामने सुरक्षित और सुविधाजनक रास्ते की समस्या खड़ी हो गई है।

सरकारी जमीन पर दुकान बनाकर रास्ता रोकने का आरोप

कटेहरी बाजार में पीड़ित ने लोक निर्माण विभाग की जमीन पर अतिक्रमण का लगाया आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कटेहरी बाजार में लोक निर्माण विभाग की जमीन पर कब्जे का मामला सामने आया है। पीड़ित सत्यम और उनके पिता ज्ञान प्रकाश ने आरोप लगाया है कि सरकारी जमीन पर दुकान बनाकर उनके घर के सामने का रास्ता बंद कर दिया गया है। उनका कहना है कि कब्जा हटाने के लिए कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया।

पीड़ित के मुताबिक, मामले में अधिकारियों से शिकायत के बाद कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए थे। इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अतिक्रमणकारी की ओर से दबंगई दिखाई जा रही है और विरोध करने पर धमकी भी दी जाती है। सत्यम के अनुसार, सात सितंबर को नायब तहसीलदार, लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता और पुलिस बल के साथ टीम मौके पर पहुंची थी। टीम ने मौके की स्थिति देखी। पीड़ित का आरोप है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई किए बिना ही टीम वापस लौट गई। उनका कहना है कि सरकारी जमीन पर दुकान का निर्माण होने से घर के सामने आवागमन प्रभावित हो रहा है। रास्ता बंद होने के कारण परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित सत्यम और उनके पिता ज्ञान प्रकाश ने मामले को लेकर जिलाधिकारी, मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री से भी शिकायत की है। उन्होंने सरकारी जमीन की जांच कराकर अतिक्रमण हटाने और घर के सामने रास्ता खुलवाने की मांग की है।



पीड़ित पक्ष का कहना है कि कई स्तरों पर शिकायत और कार्रवाई के निर्देश के बाद भी कब्जा नहीं हटने से उन्हें अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने मौके की दोबारा जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

कटेहरी में गरजी कांग्रेस, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन

तख्तियां और झंडे लेकर सड़क पर उतरे कार्यकर्ता

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस ने रविवार को कटेहरी विधानसभा क्षेत्र में विरोध-प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में तख्तियां और पार्टी के झंडे लेकर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केके यादव ने की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश मिश्रा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। अशोक सिंह और जय प्रकाश तिवारी समेत अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता का मुद्दा उठाया। नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का भरोसा बनाए रखना जरूरी है। इसी को लेकर कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी के बीच अपनी मांगें रखीं। प्रदर्शन के अंत में कांग्रेस नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की मांग दोहराई। प्रदर्शन में विकास मणि मिश्रा, मो. नफीस, रविंद्र वर्मा, मणि राम राजभर, दिनेश धुरिया, केशव राम हरिजन, पप्पू दुबे बसोहारी, सेवाराम वर्मा, आनंद बहादुर सिंह, विशाल वर्मा, संजय यादव, जियाउद्दीन अंसारी और बद्री नारायण शुक्ला समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।



आरोप : सपा-कांग्रेस पर बरसे सुभासपा अध्यक्ष, ओवैसी के बयान का किया समर्थन

मुस्लिम वोट चाहिए तो राजनीतिक हिस्सेदारी भी दें : ओ पी राजभर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सोमवार को अंबेडकरनगर में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर मुस्लिम वोटों की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने एआईएम-आईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के मुस्लिम राजनीतिक हिस्सेदारी से जुड़े बयानों का समर्थन किया। राजभर ने कहा कि सपा और कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन तो चाहती हैं, लेकिन उन्हें राजनीतिक हिस्सेदारी देने के सवाल पर पीछे हट जाती हैं। राजभर ने उत्तर प्रदेश की मुस्लिम आबादी और विधानसभा चुनाव में उसके प्रभाव का हवाला देते हुए कहा कि कई सीटों पर मुस्लिम मतदाता चुनाव परिणाम को प्रभावित करने की स्थिति में हैं। इसके बावजूद उन्होंने आरोप लगाया कि सपा कई ऐसी सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशियों के बजाय यादव प्रत्याशियों को प्राथमिकता देती है।



कांग्रेस की ओर से विधानसभा चुनाव में 150 सीटों पर चुनाव लड़ने की दावेदारी और अखिलेश यादव के 'जिताऊ प्रत्याशी' वाले बयान पर भी राजभर ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि जिताऊ प्रत्याशी तय करने का आधार क्या है। राजभर ने गोरखपुर, बांदा और अलीगढ़ समेत कुछ जिलों में सपा के भीतर विवाद का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि पार्टी को दूसरों पर टिप्पणी करने से पहले अपने संगठन के अंदर के विवादों को सुलझाना चाहिए। कांग्रेस की 150 सीटों की दावेदारी और सपा की सीटों को लेकर चल रही चर्चा की स्वतंत्र रिपोर्टें भी सामने आई हैं।

राजभर ने विपक्षी दलों के प्रदर्शनों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष वोट बैंक की राजनीति के लिए माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है। राजभर ने कहा कि 2014 से पहले केंद्र में कांग्रेस और 2012 से 2017 तक उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार थी।

'वोट के साथ हिस्सेदारी की भी बात हो'

राजभर ने सपा की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी में यादवों को पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलता है, जबकि मुस्लिम मतदाताओं को अपेक्षित हिस्सेदारी नहीं मिलती। उन्होंने सपा और कांग्रेस को मुस्लिम मतदाताओं के मुद्दे पर एक-दूसरे के समान बताया और आरोप लगाया कि दोनों दल लंबे समय से इस वर्ग के वोट का इस्तेमाल करते रहे हैं।

ओवैसी के मुस्लिम राजनीतिक प्रतिनिधित्व संबंधी बयान का समर्थन करते हुए राजभर ने कहा कि यदि किसी वर्ग से समर्थन मांगा जाता है तो उसे राजनीतिक हिस्सेदारी का सवाल उठाने का भी अधिकार है।

काउंसिलिंग से सुलझा पति-पत्नी का विवाद, साथ रहने पर बनी सहमति

जैतपुर थाने के मिशन शक्ति केंद्र में हुई मध्यस्थता

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जैतपुर थाने के मिशन शक्ति केंद्र पर काउंसिलिंग के माध्यम से पति-पत्नी के बीच चल रहा विवाद सुलझा लिया गया। दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद आपसी सहमति बनी और साथ रहने पर राजी हो गए।

जानकारी के अनुसार, एक अक्तूबर को एक महिला ने अपने पति के खिलाफ आपसी विवाद और मतभेद को लेकर मिशन शक्ति केंद्र पर प्रार्थना पत्र दिया था। मामले की जानकारी होने के बाद मिशन शक्ति केंद्र की पुलिस टीम ने पति-पत्नी को बुलाकर दोनों पक्षों की बात सुनी। पुलिस टीम ने दोनों पक्षों की काउंसिलिंग की। बातचीत के दौरान आपसी विवाद और मतभेद के कारणों को समझने का प्रयास किया गया। काउंसिलिंग के बाद दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से समझौता हो गया।



इसके बाद पति-पत्नी ने साथ रहने पर सहमति जताई। दोनों पक्ष राजी-खुशी अपने घर लौट गए। मध्यस्थता की प्रक्रिया मिशन शक्ति अभियान के तहत जैतपुर थाने के मिशन शक्ति केंद्र की पुलिस टीम ने कराई। टीम में हेड कांस्टेबल पवन मिश्रा, कांस्टेबल अभिषेक सिंह और महिला कांस्टेबल काजल सिंह शामिल रहीं।

सम्पादकीय

हताशा भरा अभियान



अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग और विशेष रूप से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सड़कों पर उतर कर जैसा अभियान छेड़ दिया है, उसका प्रतिवाद करने के लिए दोनों चुनाव आयुक्तों को भी आगे आना चाहिए, क्योंकि वे उसी संवैधानिक संस्था के महत्वपूर्ण सदस्य हैं, जिसकी प्रतिष्ठा को नष्ट करने की कोशिश की जा रही है।

इसका संज्ञान सुप्रीम कोर्ट को भी लेना चाहिए, क्योंकि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का हर पहलू उसकी जानकारी में है और उसने इस प्रक्रिया को बार-बार अपनी सहमति भी प्रदान की है। यदि उसने इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया तो कल को उसके साथ-साथ अन्य संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का अभियान छेड़ा जा सकता है।

लोकतंत्र अपनी संस्थाओं से ही शक्ति पाता है। उन्हें कमजोर करने का अर्थ है लोकतंत्र को खोखला करना। अभी तक विपक्ष यह काम केवल निराधार आरोपों और एसआइआर प्रक्रिया की छोटी-मोटी त्रुटियों को तिल का ताड़ बनाकर कर रहा था, लेकिन अब उसकी ओर से शांतिपूर्ण आंदोलन की आड़ में अराजकता का सहारा लेने की भी कोशिश हो रही है। चुनाव आयोग के खिलाफ जनता को गुमराह करने वाले भड़काऊ नारे कोई शुभ संकेत नहीं।

अब इसमें भी कोई संदेह नहीं कि काकरोच जनता पार्टी का भी एजेंडा वही है, जो हताश-निराश विपक्ष का है। विपक्षी दल इसलिए आपे से बाहर हो रहे हैं, क्योंकि एसआइआर के खिलाफ उनकी दलीलें सुप्रीम कोर्ट के समक्ष टिक नहीं पा रही हैं। केरलम सरकार की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ बीस वर्ष पुराने मामले को खोलना केवल कांग्रेस की हताशा का ही परिचायक नहीं, बल्कि इसका भी सूचक है कि उसे कुछ सूझ नहीं रहा है।

विपक्षी दल इसकी जानबूझकर अनदेखी कर रहे हैं कि चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति को लेकर जो नैरेटिव खड़ा किया गया था, वह भोथरा पड़ चुका है। इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं हो सकता कि जिस चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया में लगातार सुधार कर विश्व में अपनी एक साख बनाई है और भारतीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा बढ़ाई है, उसे विपक्षी राजनीतिक दल मनगढ़ंत आरोपों के सहारे धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

हर कोई इससे अवगत है कि मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर अशुद्धियां हैं और उन्हें ठीक करने का काम एसआईआर के जरिये ही हो सकता है, लेकिन इस झूठे आरोप के सहारे उसका विरोध किया जा रहा है कि इससे राजनीतिक दल विशेष को लाभ पहुंचाया जा रहा है। यदि वास्तव में ऐसा है तो कांग्रेस केरलम में सत्ता में कैसे आ गई और तमिलनाडु में भी विपक्षी दल ने जीत कैसे हासिल कर ली?

धर्म, अर्थ, 'काम', मोक्ष का संगम हैं रामलीलाएं

> 66
> रामलीला का कोई एक अखिल भारतीय प्रारूप नहीं है। उत्तर भारत में इसकी अनेक शैलियां विकसित हुईं। कहीं संवाद और गायन प्रधान है, कहीं झांकियां महत्वपूर्ण हैं, कहीं पूरा नगर ही रामलीला का मंच बन जाता है।



रामलीलाएं केवल रामकथा का मंचन नहीं , भारतीय समाज की धार्मिक आस्था, लोककला, अभिनय, संगीत, संवाद, सामाजिक सहभागिता और स्थानीय अर्थव्यवस्था का ऐसा संगम है, जिसमें सदियों की सांस्कृतिक यात्रा दिखाई देती है।

रामकथा की भारत में अत्यंत प्राचीन परंपरा है। वाल्मीकि रामायण से लेकर विभिन्न भारतीय भाषाओं में रचे गए रामकाव्यों ने इस कथा को जन-जन तक पहुंचाया। मध्यकाल में गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस ने रामकथा को लोकभाषा और लोकजीवन से गहरे जोड़ने का काम किया। माना जाता है कि तुलसीदास से जुड़ी रामकथा की लोकमंचीय परंपराओं ने आगे चलकर रामलीला के विभिन्न रूपों को व्यापक आधार दिया।

वाराणसी की रामनगर रामलीला इसका विशिष्ट उदाहरण है, जहां रामकथा का मंचन एक दिन या एक मंच तक सीमित न रहकर कई दिनों तक विभिन्न स्थानों पर चलता है।

यही विविधता रामलीला को केवल धार्मिक आयोजन न रहकर लोकसंस्कृति का जीवंत दस्तावेज बनाती है।

धार्मिक आयाम:

रामलीला का मूल आधार आस्था है। राम मर्यादा के प्रतीक हैं, सीता त्याग और धैर्य की, लक्ष्मण कर्तव्य की, भरत भ्रातृप्रेम की और हनुमान समर्पण तथा सेवा की। रामलीला का धार्मिक महत्व इस बात में है कि यह मंदिर की चारदीवारी से बाहर आकर धर्म को सार्वजनिक जीवन से जोड़ती है। हजारों लोग एक साथ कथा सुनते और देखते हैं। पूजा और मनोरंजन के बीच की दूरी यहां बहुत कम हो जाती है लेकिन रामलीला की सार्थकता केवल धार्मिक भाव-विभोरता में नहीं, बल्कि उन मूल्यों में है जिन्हें रामकथा समाज के सामने रखती है। यदि रामलीला देखकर मनुष्य सत्य, संयम, करुणा, कर्तव्य और न्याय के प्रश्नों पर विचार करे तो उसकी धार्मिकता कर्म में बदलती है।

कला और कर्म की पाठशाला

रामलीला भारतीय लोककला की बड़ी पाठशाला है। अभिनय, संवाद, गायन, वादन, वेशभूषा, मुखौटे, मुकुट, आभूषण, मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था और चित्रकला - कला की कितनी ही विधाएं इसमें एक साथ समाहित हैं।

एक रामलीला के पीछे केवल अभिनेता नहीं दर्जी, बढ़ई, रंगकर्मी, मूर्तिकार, मेकअप कलाकार, संगीतकार, वादक, मंचकर्मी और तकनीकी कर्मचारी भी जुड़े होते हैं। पीढ़ियों से अनेक परिवार रामलीला से संबंधित अलग-अलग कलाओं को आगे बढ़ाते हैं।

आज एलईडी स्क्रीन, डिजिटल ध्वनि, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और विशेष प्रभावों ने मंच को भव्य बना दिया है। मगर चुनौती यही है कि तकनीक कथा पर हावी न हो जाए। रामलीला का आकर्षण उसके चमत्कार में कम और उसके भाव में अधिक है।

सामाजिक समरसता

रामलीला की सबसे बड़ी सामाजिक विशेषताओं में से एक है—सामूहिक सहभागिता। इसमें मोहल्ले, गांव और शहर का एक बड़ा हिस्सा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ता है। कोई कलाकार बनता है, कोई व्यवस्था संभालता है, कोई चंदा देता है और कोई दर्शक बनकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। विभिन्न समुदायों और सामाजिक वर्गों के लोग आयोजन से जुड़ते हैं। यही लोकपरंपरा की खूबसूरती है कि वह समाज को केवल दर्शक नहीं रहने देती, उसे सहभागी बना देती है।

आज की डिजिटल दुनिया में रामलीला जैसे आयोजन सामूहिक अनुभव की वह जगह हैं जहां लोग मोबाइल स्क्रीन से बाहर निकलकर एक-दूसरे के साथ बैठते, हंसते,भावुक होते हैं और कथा के साथ जुड़ते हैं।

आर्थिक गतिविधियों का बड़ा अवसर

रामलीला का एक खास आर्थिक पक्ष भी है, मंच सजता है तो स्थानीय कारीगरों को काम मिलता है। पोशाकें बनती हैं तो दर्जियों का काम बढ़ता है। मुकुट, गदा, धनुष-बाण और आभूषण तैयार होते हैं तो छोटे व्यवसायों को रोजगार मिलता है। मेले लगते हैं तो खिलौने, खान-पान, सजावटी वस्तुओं और दैनिक उपयोग की चीजों की बिक्री बढ़ती है। रामलीला मैदानों के पास अस्थायी दुकानों और स्थानीय सेवाओं से अनेक लोगों की आय होती है। इस दृष्टि से रामलीला केवल धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन मात्र नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाला मौसमी उत्सव भी है।

बदलता समय, बदलती रामलीला

आज रामलीला के सामने सबसे बड़ी चुनौती मनोरंजन के बदलते माध्यम हैं। कभी पूरे परिवार के लिए रामलीला ही बड़ा सार्वजनिक मनोरंजन थी। अब मोबाइल, ओटीटी, सोशल मीडिया और डिजिटल वीडियो ने दर्शकों का ध्यान बांट दिया है लेकिन इसके बावजूद रामलीला खत्म नहीं हुई बल्कि उसने स्वयं को बदल दिया है। कहीं मंचन का सीधा प्रसारण होता है, कहीं सोशल मीडिया पर प्रचार होता है, कहीं डिजिटल प्रकाश और ध्वनि का प्रयोग होता है। युवा कलाकार नए अंदाज में संवाद बोल रहे हैं और आयोजन समितियां नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए प्रयोग कर रही हैं। जरूरत केवल इतनी है कि आधुनिकता के साथ मूल संवेदना सुरक्षित रहे। रामलीला यदि केवल तेज आवाज, चमकदार प्रकाश और महंगे विशेष प्रभावों की प्रतियोगिता बन गई तो उसका लोकस्वर कमजोर पड़ सकता है।

आज भी रामलीला जरूरी

रामलीला की प्रासंगिकता आज शायद पहले से अधिक है, क्योंकि हमारा समय सुविधा और सूचना से भरपूर होते हुए भी मूल्यों के संकट से जूझ रहा है। सार्वजनिक जीवन में मर्यादा, परिवार में संवाद, समाज में सहिष्णुता और व्यवहार में संयम जैसे प्रश्न लगातार सामने हैं।

रामलीला इन प्रश्नों का कोई आधुनिक नीति-दस्तावेज तो नहीं देती, लेकिन प्रतीकों और पात्रों के माध्यम से मनुष्य को आईना ज़रूर दिखाती है। इसलिए जरूरी है कि रामलीला को केवल मनोरंजन या धार्मिक अनुष्ठान के रूप में नहीं अपितु उसके भीतर छिपे सामाजिक संदेश को समझा जाए।

रामलीला की असली सफलता तब होगी जब मंच से बाहर मनुष्य अपने भीतर के अहंकार, छल, लोभ और हिंसा को भी पहचानने की कोशिश करे। अपने भीतर का रावण जलाना कठिन। शायद रामलीला की सबसे बड़ी प्रासंगिकता इसी कठिन काम की याद दिलाने में है। रामलीला इसलिए जीवित है क्योंकि वह हर पीढ़ी से पूछती है कि उसके समय का राम कौन है और उसके भीतर का रावण किस रूप में खड़ा है। यही प्रश्न उसे परंपरा से वर्तमान तक और वर्तमान से भविष्य तक ले जाता रहेगा।

- डॉ. घनश्याम बादल

सबसे महत्वपूर्ण ...

गौतम चौधरी

फ्लाईदुबई हादसा : एक व्यक्ति का अपराध पूरे धार्मिक समाज की कसौटी नहीं हो सकती



कभी-कभी किसी घटना को लेकर हम खुद के चिंतन के आधार पर अपराधी ढुंढ लेते हैं लेकिन वास्तविक चित्र कुछ और होता है। आज के सोशल मीडिया युग में यह प्रक्रिया इतनी तेज हो गयी है कि कल्पना और परिकल्पना साफ तौर पर दिखने लगता है। ऐसे में तथ्य और सत्य का घालमेल बेहद खतरनाक स्थिति तक पहुंच जाता है। ऐसा ही कुछ हाल के दिनों में कई घटनाओं में देखा गया है। अभी अभी 30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान FZ1073 में हुई घटना के बाद कुछ ऐसा ही माहौल बनाया जा रहा है। इस घटना ने विमानन सुरक्षा के साथ-साथ एक गंभीर सामाजिक प्रश्न भी खड़ा कर दिया है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार भारतीय मूल के कप्तान स्मित मच्छर और उनके ओमानी सह-पायलट हमाम अल-हम्मामी के बीच कॉकपिट में गंभीर झड़प हुई। इस दौरान विमान अचानक हजारों फीट नीचे गया। घायल कप्तान ने स्थिति संभालने की कोशिश की और यात्रियों तथा चालक दल की मदद से विमान को सुरक्षित रूप से सऊदी अरब के तबूक में उतारा गया।

घटना की अंतरराष्ट्रीय जांच अभी जारी है। इसलिए इसके अंतिम कारण और उद्देश्य के बारे में निष्कर्ष निकालने में जल्दबाजी उचित नहीं होगी। फिर भी इस घटना से जुड़े कुछ तथ्य ऐसे हैं जिन पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि ''एक व्यक्ति के कथित अपराध को उसके धर्म से जोड़कर पूरे समुदाय को कठघरे में खड़ा करना क्या उचित है?''रिपोर्टों में सामने आया है कि सह-पायलट के बारे में 2024 में सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंता सामने आई थी। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से प्रकाशित रिपोर्टों में कहा गया कि Oman Air में प्रशिक्षण के दौरान उसके पास कथित रूप से चरमपंथी सामग्री मिली थी और उसे कुछ समय के लिए उड़ान से अलग किया गया था। इसके बाद वह अलग-अलग विमानन संस्थाओं से जुड़ा और अंततः फ्लाईदुबई में सह-पायलट के रूप में काम करने लगा। यदि जांच में यह जानकारी सही साबित होती है तो सबसे बड़ा सवाल यह होना चाहिए कि ''अंतरराष्ट्रीय विमानन व्यवस्था में सुरक्षा संबंधी ऐसी सूचना आगे कैसे पहुंचती है और उसकी पुष्टि कैसे होती है?'' यदि किसी पायलट के बारे में पहले गंभीर सुरक्षा चिंता दर्ज हो चुकी हो तो अगली एयरलाइन उसकी पृष्ठभूमि की जांच किस स्तर तक करती है? क्या विभिन्न देशों की विमानन कंपनियों और नियामक संस्थाओं के बीच सुरक्षा संबंधी जानकारी साझा करने की पर्याप्त व्यवस्था है? क्या पायलट की पेशेवर योग्यता की जांच के साथ उसकी सुरक्षा पृष्ठभूमि की भी प्रभावी जांच होती है? ये प्रश्न किसी धर्म से संबंधित नहीं हैं। ये सीधे-सीधे ''विमानन सुरक्षा और यात्रियों के जीवन'' से संबंधित हैं। यदि जांच यह प्रमाणित करती है कि हमला किसी कट्टरपंथी विचारधारा से प्रेरित था तो उस विचारधारा की कठोर आलोचना होनी चाहिए। धार्मिक कट्टरता, आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ के प्रति किसी प्रकार की नरमी लोकतांत्रिक समाज के हित में नहीं है। मगर यहां एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है। ''किसी चरमपंथी विचारधारा की आलोचना और पूरे धर्म की निंदा एक ही बात नहीं है।''एक मुस्लिम व्यक्ति अपराध करता है तो उसका अपराध उसके व्यक्तिगत कृत्य और प्रमाणित विचारधारा के आधार पर तय होना चाहिए। उसी कसौटी पर हिंदू, ईसाई, सिख, बौद्ध या किसी अन्य धर्म के व्यक्ति को भी देखा जाना चाहिए। कानून व्यक्ति के अपराध को देखता है, उसकी पूरी धार्मिक आबादी को नहीं। यही सिद्धांत आतंकवाद से लड़ाई को भी मजबूत करता है क्योंकि आतंकवाद के वास्तविक स्रोत की पहचान तभी संभव है जब जांच धार्मिक पहचान और आपराधिक व्यवहार के बीच फर्क कर सके। इस घटना में भारतीय कप्तान स्मित मच्छर की भूमिका निस्संदेह महत्वपूर्ण है। संकट की स्थिति में उन्होंने विमान को संभालने और यात्रियों की जान बचाने का प्रयास किया। ऐसी स्थिति में उनके साहस और पेशेवर जिम्मेदारी की सराहना होनी चाहिए मगर उनकी वीरता को किसी दूसरे धर्म के विरुद्ध तर्क में बदलना उचित नहीं होगा। किसी व्यक्ति की वीरता का मूल्य उसके धर्म से नहीं, उसके कर्म से तय होता है। यदि एक व्यक्ति संकट में सैकड़ों लोगों की जान बचाता है तो वह अपने कर्म के कारण सम्मान का अधिकारी है। उसी तरह यदि कोई व्यक्ति अपराध करता है तो उसे अपने अपराध के लिए कानून के सामने जवाब देना होगा।

अधिकार और जिम्मेदारी

युग बीत गए मगर अधिकार और कर्तव्य के बीच की जंग जारी है। यह बताना तो जरा मुश्किल है की जंग मे कौन किस पर भारी है। कुएं के पानी पर हमारा अधिकार है पर उसका संरक्षण करना भी हमारी जिम्मेदारी हैं । वह अगर हम ऐसा नहीं कर रहें हैं तो समझ लो विनाश की पूरी तैयारी है। वह जो केवल अधिकारों के लिए अपने पूरे जीवन को खपा देते है वे वसीयत मे कंगाली के काले दस्तावेज नई पीढी के हिस्से मे छोड जाते है। हमारी आने वाली पीढियां भी हमे याद करें,हमारे त्याग का सम्मान करें तो हमें भी कर्तव्यों को निभाना है ऐसा हमारे बुजुर्ग हमे समझाते हैं। आज हमारे समाज में एक मौन संघर्ष चल रहा हैं । अधिकार और जिम्मेदारी के बीच हैं । सरकार ने समानता के सिद्धांत पर चलते हुए बेटा और बेटी दोनों को माता- पिता की संपत्ति का समान हिस्सेदार घोषित किया हैं । यह कदम निश्चय ही महिलाओं के अधिकार और सम्मान की दिशा में महत्त्वपूर्ण हैं। यह कदम बराबरी की दिशा में हैं लेकिन इसी बराबरी के बीच एक मौन असंतुलन छिपा हुआ हैं । एक गंभीर प्रश्न यह भी उठता हैं कि क्या केवल अधिकार ही समान होने चाहिए या फिर जिम्मेदारियां भी ? अधिकार पाने की इच्छा कोई जागरूकता की श्रेणी में नहीं आता है, फिर अधिकार के नाम की पिपासा में कोई क्यों भटकता जाता है । कर्तव्य व दायित्व का बोध हमारे जीवन को सही दिशा प्रदान करता है, उस मार्ग पर निरन्तर गतिमान होने वाले ही का जीवन हर पल संवरता है । अधिकार के दावे को छोड़ो व कर्तव्य के पथ पर उत्साह से प्रस्थान करते रहो, जीवन के हर पल हर क्षण को कर्तव्य व दायित्व पालन की अमूल्य संपदा से सदा भरते रहो । जिम्मेवारी निभाने वाले को सच्ची लगन और श्रद्धा निष्ठा का बोझ भी उठाने लायक होना होता है ।हर कोई हर तरह की जिम्मेवारी उठा पाएं ,ये सम्भव भी कम होता है । सबको अपनी योग्यतानुसार जिम्मेदारियों का बोझ सक्षम हाथों में सौंपा जाए , जो सब तरह के समझ अनुरूप उस को अच्छे से संभाल पाएं , यह बहुत आवश्यक होता है।

› प्रदीप छाजेड़

प्रदेश के श्रम विभाग की प्रभावी पहल से बाल श्रमिकों को मिल रहा है,नया जीवन

किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि वहां श्रमिकों, बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के अधिकारों एवं भविष्य की सुरक्षा के लिए किस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं। विकास का अर्थ केवल बड़ी इमारतें और सड़कें नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव है। इसी सोच के साथ जनपद हमीरपुर में श्रम विभाग द्वारा विगत 9 वर्षों में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, बाल एवं बंधुआ श्रम उन्मूलन, व्यवस्थित कार्य परिस्थितियां तथा सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रभावी कार्य किया गया है। श्रम विभाग की सक्रियता का परिणाम है कि जहाँ एक ओर बाल एवं बंधुआ श्रम के विरुद्ध लगातार कार्रवाई हुई, वहीं दूसरी ओर हजारों श्रमिकों एवं छोटे व्यापारियों को सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से जोड़कर उनके भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास किया गया।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की कल्याणकारी नीतियों के तहत गत 9 साल की यात्रा केवल आंकड़ों की नहीं, बल्कि 535 बचपन को बचाने और हजारों परिवारों को सुरक्षित भविष्य देने की कहानी है। हमीरपुर जनपद में 499 सघन निरीक्षण से 535 बचपन को नया जीवन मिला। बाल एवं किशोर श्रमिकों के नियोजन को रोकने और बच्चों को शिक्षा एवं बेहतर भविष्य की ओर ले जाने के उद्देश्य से संयुक्त टीमों द्वारा 499 सघन निरीक्षण किए गए। श्रम विभाग, पुलिस, चाइल्ड लाइन और शिक्षा विभाग की संयुक्त टीमों ने ढाबों, होटलों, कारखानों, ईंट भट्टों और दुकानों पर छापेमारी की। निरीक्षणों के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से 535 बाल श्रमिकों को अवमुक्त कराया गया। ये वे बच्चे थे जिनके हाथों में किताबें होनी चाहिए थी, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें औजार थमा दिए थे। विभाग का प्रयास केवल इन बच्चों को श्रम से बाहर निकालने तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उनके शैक्षणिक एवं आर्थिक पुनर्वास को भी सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

इस कार्यवाई में अवमुक्त कराए गए सभी बच्चों का सर्व शिक्षा अभियान के तहत स्कूलों में नामांकन कराया गया और उनके परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया ताकि वे दोबारा बाल श्रम की ओर न जाएं। यह हमीरपुर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि एक-एक बच्चे को मुक्त कराना एक पूरे भविष्य को बचाना है। बंधुआ मुक्ति से सम्मानजनक जीवन की ओर श्रमिकों के शोषण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जनपद में अन्य जनपदों से आए 18 घोषित बंधुआ श्रमिकों को अवमुक्त करा के पुनर्वास की कार्रवाई भी की गई। ये श्रमिक कर्ज के जाल में फंसकर बंधुआ मजदूरी करने को मजबूर थे। विभाग ने श्रमिकों को शोषण एवं बंधन से मुक्त कराने के साथ उन्हें सम्मानजनक जीवन की मुख्यधारा में वापस लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। उन्हें मुक्ति प्रमाण पत्र के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार की पुनर्वास योजना के तहत आर्थिक सहायता, आवासीय सुविधा और रोजगार से जोड़ने का कार्य किया गया। यह कार्रवाई इस संदेश के साथ की गई कि जनपद में किसी भी प्रकार के बंधुआ श्रम को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। श्रम कानूनों का सख्ती से अनुपालन श्रमिकों को उनका हक दिलाने के लिए विभाग ने श्रम कानूनों के अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया। आनुतोषिक भुगतान अधिनियम के तहत 11 निरीक्षणवेतन संदाय अधिनियम में 11 निरीक्षण समान पारिश्रमिक अधिनियम में 05 निरीक्षण मातृत्व हितलाभ अधिनियम में 02 निरीक्षण संविदा श्रम अधिनियम में 02 निरीक्षण बोनस भुगतान अधिनियम के तहत 01 निरीक्षण किया गया।

जरा हटके

बलरामपुर के विशिष्ट ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर के पारंपरिक उत्पादों को मिला अंतर्राष्ट्रीय मंच: 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना से सशक्त हो रहे स्थानीय उद्यम



ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में बलरामपुर जनपद के पारंपरिक उत्पादों एवं विशिष्ट स्थानीय व्यंजनों का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। 25 से 29 सितंबर तक आयोजित इस बहुउद्देशीय प्रदर्शनी में जिले की समृद्ध सांस्कृतिक और पारंपरिक पाक कला को देश-विदेश के व्यापारिक प्रतिनिधियों, निर्यातकों एवं आम आगंतुकों के समक्ष प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया।

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'एक जनपद-एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत बलरामपुर के स्थानीय हुनर, पारंपरिक मिष्ठान निर्माण एवं शिल्पकला को संगठित बाजार से जोड़ने के ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आयोजित इस सहभागिता का मुख्य उद्देश्य जनपद के सूक्ष्म उद्यमियों, मिष्ठान निर्माताओं और पारंपरिक कारीगरों की आय में टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित करना है। ट्रेड शो में बलरामपुर के प्रसिद्ध कलाकंद और नारियल की बर्फी को आगंतुकों ने अपनी विशिष्ट गुणवत्ता, पारंपरिक निर्माण विधि और अप्रतिम स्वाद के कारण अत्यधिक सराहा। इसके साथ ही, बलरामपुर के सुप्रसिद्ध पारंपरिक स्वाद 'बालाजी की चाट' और स्थानीय मूंज के शिल्प और कृतियों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। प्रदर्शनी का प्राथमिक ध्येय केवल उत्पादों का प्रदर्शन करना नहीं, अपितु जनपद के अनौपचारिक क्षेत्र के उत्पादकों को आधुनिक आपूर्ति श्रृंखला, थोक खरीदारों और संस्थागत बाजार तंत्र से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना था। इस पहल से स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धन के साथ-साथ युवाओं और कारीगरों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

भौगोलिक दृष्टि से तराई क्षेत्र में स्थित बलरामपुर जनपद दुग्ध उत्पादन, कृषि संपदा और प्राकृतिक वनोपज में विपुल संभावनाएं समेटे हुए है। जिला प्रशासन द्वारा इन पारंपरिक और प्राकृतिक क्षमताओं को सुव्यवस्थित व्यावसायिक उत्पादकता में परिवर्तित करने हेतु एक समग्र कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है। पारंपरिक खाद्य उत्पादों की शेल्फ-लाइफ, स्वच्छता मानकों और गुणवत्ता संवर्धन के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग द्वारा विशेष तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसए-आई) के मानकों के अनुरूप उत्पादन और स्वच्छता प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। स्थानीय मिष्ठान निर्माताओं एवं खाद्य उद्यमियों को आधुनिक पैकेजिंग, ब्रांडिंग तथा विपणन के तौर-तरीकों से प्रशिक्षित किया जा रहा है। आकर्षक और मानक फूड-ग्रेड पैकेजिंग के माध्यम से बलरामपुर के कलाकंद एवं अन्य पारंपरिक उत्पादों को महानगरों के संगठित रिटेल स्टोर्स तक पहुंचाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए गए हैं। 'ओडीओपी कौशल संवर्धन एवं टूलकिट वितरण योजना' के अंतर्गत जिले के पारंपरिक कारीगरों एवं हलवाइयों के तकनीकी उन्नयन हेतु नियमित प्रशिक्षण सत्र संचालित किए जा रहे हैं। आधुनिक उपकरणों एवं उन्नत टूलकिट्स के निःशुल्क वितरण से निर्माण क्षमता में तीव्र वृद्धि के साथ-साथ उत्पाद की गुणवत्ता और स्वच्छता भी सुदृढ़ हो रही है। ग्रामीण अंचल में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन को गति देने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को इन पारंपरिक उद्यमों से सक्रियता से संबद्ध किया गया है। स्थानीय उत्पादों के प्राथमिक प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन श्रृंखला में ग्रामीण महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

पूंजीगत बाधाओं को दूर करने हेतु प्रदेश सरकार की नीतियों के तहत उद्यमियों को मार्जिन मनी सब्सिडी और सुलभ संस्थागत ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा बैंकों के साथ सतत समन्वय स्थापित कर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और मुद्रा योजना के माध्यम से सुगम वित्तीय लिंकेज सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

बिचौलियों की निर्भरता को समाप्त कर उत्पादकों को उनके उत्पाद का अधिकतम मूल्य दिलाने हेतु डिजिटल कॉमर्स का विस्तार किया जा रहा है। जनपद के पंजीकृत उद्यमियों और कारीगरों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) और ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) जैसे राष्ट्रीय मंचों पर तेजी से ऑनबोर्ड कराया जा रहा है।

उत्पादों के मानकीकरण और परीक्षण के उद्देश्य से कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) की स्थापना पर भी विचार किया जा रहा है। यह साझा अवसंरचना छोटे कारीगरों को गुणवत्ता परीक्षण, कोल्ड चेन, उन्नत पैकेजिंग और मशीनरी की सुविधाएं न्यूनतम लागत पर एक ही छत के नीचे सुलभ कराएगी।

बलरामपुर के विशिष्ट उत्पादों की प्रामाणिकता और भौगोलिक पहचान की वैधानिक सुरक्षा के लिए भौगोलिक उपदर्शन (जीआई टैग) दिलाने की प्रक्रिया को भी संस्थागत स्तर पर गति प्रदान की जा रही है। जीआई प्रमाणीकरण मिलने से जनपद के पारंपरिक उत्पादों को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय फलक पर विशिष्ट साख और बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकेगा।

अन्तर्राष्ट्रीय ट्रेड शो के माध्यम से प्राप्त व्यापारिक संपर्कों और क्रय आदेशों के समयबद्ध अनुपालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा एक प्रभावी निगरानी तंत्र स्थापित किया जा रहा है। इससे स्थानीय सूक्ष्म इकाइयों को थोक ऑर्डर्स की आपूर्ति में लॉजिस्टिक्स, गुणवत्ता नियंत्रण और व्यापारिक सुगमता का निरंतर संबल मिलता है।

भाजपा पर अखिलेश का हमला, अत्याचार और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा का लगाया आरोप

'जनता को अब भाजपाइयों पर भरोसा नहीं अन्याय'

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार की प्रशासनिक अक्षमता का लाभ अधिकारी उठा रहे हैं। उनके मुताबिक कई मामलों में उनके अपने मंत्री तक न्याय की मांग को लेकर धरने पर बैठने को मजबूर हुए हैं। उन्होंने बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए।

कटाक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी



सपा प्रमुख ने कहा कि सरकार जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये अपनी छवि चमकाने पर खर्च कर रही है, जबकि कमर तोड़ महंगाई के कारण खाना-पीना, दवाई-इलाज और पढ़ाई महंगी होती जा रही है। उन्होंने अधिकारियों पर भी भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के आरोप लगाए।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 'वनस्पति राज' में मंदिर में चोरी करवाने वाले भाजपा के 'चढ़ावा चोरों' की झूठी बातों पर अब जनता भरोसा नहीं कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा हो गई है। अपराध, अराजकता और बजट की लूट चरम पर है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने अपने ऊपर से मुकदमे हटवाए और पूज्य शंकराचार्य पर प्रहार करवाने के साथ भद्दे आरोप लगवाए। उन्होंने कहा कि संविधान का विरोध करने वाले लोग बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्तियां तक तुड़वा रहे हैं। उनके मुताबिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ अन्याय की हर हद पार की गई है और हाथरस की बेटी के मामले में अंतिम संस्कार तक न्याय नहीं मिला।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में विपक्ष पर झूठे मुकदमे लगाए जाते हैं, विरोधियों के फेक एनकाउंटर करवाए जाते हैं और बुलडोजर के जरिए लोगों के घर गिराए जाते हैं। अखिलेश ने कहा कि कॉरिडोर, पुल, एक्सप्रेस-वे और मंदिर के नाम पर पैसे खाने के आरोप लगते रहे हैं, जबकि सत्ता से जुड़े लोगों को अपराध के बाद बचाया जाता है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं के खिलाफ अपराध और हिंसा बढ़ी है। उन्होंने हिरासत में मौतों का रिकॉर्ड बनने का भी आरोप लगाया।

भर्ती और आरक्षण के मुद्दे पर भी हमला

सपा अध्यक्ष ने कहा कि नौकरी और भर्ती के मुद्दे पर युवाओं के साथ अन्याय किया जा रहा है। उन्होंने भर्ती मामलों के कोर्ट में फंसने, लेटरल एंट्री, संविदा और 'नॉट फाउंड सूटेबल' जैसे माध्यमों से आरक्षण का हक मारे जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रतिभावान और हुनरमंद लोगों के लिए यश भारती जैसे सम्मान और सम्मान राशि को बंद कर दिया गया। सरकारी संपत्तियों को बेचे जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए।

किसानों और कारोबारियों के मुद्दे पर घेरा

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसानों को उनकी फसल और मेहनत का उचित दाम नहीं दिला पा रही है। किसानों को खाद, सिंचाई का पानी और बिजली की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने छुट्टा पशुओं की समस्या का भी जिक्र करते हुए सरकार पर किसानों की खेती की सुरक्षा न कर पाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के व्यापार और कारोबार को दूसरे राज्यों के ठेकेदारों के हाथों सौंपा जा रहा है। जीएसटी की मार से छोटे दुकानदार और कारखाने प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने हस्तकलाओं और शिल्पकारों की स्थिति पर भी चिंता जताई और कहा कि सरकार की नीतियों से प्रदेश के स्थानीय उत्पादन को नुकसान पहुंच रहा है।

संवाद, संकल्प और सफलता के मूलमंत्र के साथ यूपी राइज का हुआ आयोजन

नवाचारियों ने एक्सपर्ट के सामने रखे नए आइडिया

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी। संवाद, संकल्प और सफलता के मूलमंत्र के साथ बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के गांधी सभागार में सोमवार को यूपी राइज कार्यक्रम का आयोजन हुआ। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडेय ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। आयोजन में नवाचारी युवाओं ने अपने स्टार्टअप आइडियाज को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के साथ ही आसपास के कई जिलों से आए विद्यार्थियों एवं नवाचारियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर युवाओं और नवाचारियों को योगी सरकार की उन योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से वे अपने स्टार्टअप के लिए आर्थिक मदद या व्यवसाय के लिए ऋण प्राप्त कर सकते है। कार्यक्रम स्थल पर इन योजनाओं में पंजीकरण कराने के लिए संबंधित विभागों की ओर से काउंटर लगाए गए। इस आयोजन में 12 स्टार्टअप्स की टीम ने अपने आइडियाज प्रस्तुत किए। इनमें से अभिषेक और निशांत के स्टार्टअप ऑन मिंट को विनर घोषित किया गया जबकि जबकि जुनैद रिजवान और सागर के स्टार्टअप इक्षू को रनर अवार्ड दिया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में स्टार्टअप फाउंडर, स्टूडेंट, विश्वविद्यालय के शिक्षक, स्टार्टअप मेंटोर, एक्सपर्ट उपस्थित रहे। नवाचारी युवाओं ने अपने आइडिया प्रस्तुत किए जिसे लेकर विशेषज्ञों ने सुझाव दिए और योगी सरकार की योजनाओं के माध्यम से आर्थिक मदद प्राप्त करने के तरीके बताए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कवि मुकुल शर्मा ने युवाओं को अपनी रचनाएं सुनाकर युवाओं का मनोरंजन किया। मेंटोर एवं निर्णायक मंडल के तौर पर कनेक्स्ट मारकॉम के डायरेक्टर अलाय रिजवी, स्टूफिट के सीईओ डॉ सैयद शुजात हैदर जाफरी, इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल के प्रेसिडेंट डॉ नूर आलम खान उपस्थित रहे।

समाज के लोगों ने मंत्री से मूलभूत सुविधाओं की उठाई मांग

घुमंतू समाज के उत्थान और विकास के लिए समर्पित है राज्य सरकार
- असीम अरुण

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। लखनऊ कल्ली पश्चिम, लखनऊ में आयोजित 'घुमंतू समाज आभार सम्मेलन'(जनजाति बारा समाज सम्मेलन) में प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री जी ने कहा कि हम यहाँ किसी चुनाव के सिलसिले में नहीं, बल्कि घुमंतू समाज के सर्वांगीण विकास और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए आए हैं। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रेरणा का उल्लेख करते हुए उन्होंने समाज को ''शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो'' के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। मंत्री श्री असीम अरुण ने कहा कि आजादी की लड़ाई में इस समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अतीत में हुए अत्याचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में अब इस समाज पर कोई अत्याचार नहीं होने दिया जाएगा।

'घुमंतू विकास मिशन एवं बोर्ड' सरकार द्वारा श्घुमंतू विकास मिशनश् और श्घुमंतू विकास बोर्डश् के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं।

क्षेत्र में सड़क, स्ट्रीट लाइट, स्कूल, बारात घर, सामुदायिक भवन और सामुदायिक शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। समाज के लोगों के लिए शिविर लगाकर आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आवास योजना एवं रोजगार से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने की घोषणा, फैजुल्लागंज से नैमिष तक नदी पर बनेगा तटबंध

स्वास्थ्य केंद्र में एंटी स्नेक वेनम एंटी रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को फैजुल्लागंज से नैमिष तक हवाई सर्वेक्षण कर बाढ़ की विभीषिका देखी, फिर बक्शी का तालाब क्षेत्र में बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंचकर उनका दुख-दर्द जाना और राहत सामग्री का वितरण किया। सीएम यहां स्वास्थ्य शिविर में भी पहुंचे और डॉक्टरों से दवाओं/ व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री कुर्सियों पर बैठे बाढ़ पीड़ित के पास पहुंचे और शासन से मिली राहत सामग्री, अन्न, चिकित्सा आदि सुविधाओं की हकीकत जानी। उन्होंने बच्चों को पास बुलाकर चॉकलेट भी दी।

मुख्यमंत्री ने अक्टूबर में आई इस बाढ़ विभीषिका पर चिंता जताई। कहा कि गोमती नदी पर तटबंध बनने से काफी हद तक बाढ़ की विभीषिका को रोका जा सकता है। मुख्यमंत्री ने सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव को फैजुल्लागंज से लेकर नैमिष तक नदी के तट का सर्वे कराते हुए तटबंध बनवाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जो गांव तटबंध के बाहर रहे, वहां बरसात का पानी निकालने की उचित व्यवस्था हो। तटबंध बनने के बाद नदी का जलस्तर बढ़े तो अंदर का पानी जमा होकर बीमारी न पैदा करे, बल्कि पंपिंग सेट लगाकर बाहर निकाला जाए।



स्कूल, मैरिज हॉल आदि में रुकने, भोजन आदि की व्यवस्था करे प्रशासन

सीएम ने बाढ़ पीड़ितों से अपील की कि संकट की इस घड़ी में हम सभी मिलकर आपदा का सामना करें। गांव से बाहर आए लोगों के लिए खुले में सोने की बजाय स्कूल, मैरिज हॉल में व्यवस्था करें। वहां गर्म भोजन, बच्चों को दूध, गर्भवती महिलाओं को पोषक आहार, पशुओं के चारे, भूसा-चोकर की व्यवस्था हो।

गांवों की सुरक्षा के लिए पुलिस की पेट्रोलिंग, चौकीदार, होमगार्ड, पीआरडी जवान तैनात हो

स्कूल, मैरिज हॉल आदि में रुकने, भोजन आदि की व्यवस्था करे प्रशासनः मुख्यमंत्री



राजनाथ सिंह ने भी फोन कर जताई चिंता

सीएम ने आज सुबह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के फोन आने के बारे में बाढ़ पीड़ितों को अवगत कराया। बाढ़ को लेकर रक्षा मंत्री की चिंता के विषय में भी जानकारी दी। रक्षा मंत्री ने फैजुल्लागंज से नैमिष तक तटबंध बनने से बाढ़ बचाव में मदद कराने के बारे में भी विमर्श किया। इस पर सीएम ने उन्हें बताया कि सरकार ने इसे स्वीकृत कर दिया है, धनराशि अवमुक्त करते हुए यह कार्य जल्द आगे बढ़ाएंगे। ऐसी पुख्ता व्यवस्था करेंगे तो हर सीजन में तटबंध उपयोगी होगा। बरसात में नदी का पानी उधर नहीं आएगा और इधर का पानी पंपिंग सेट के जरिए नदी की तरफ डाल दिया जाएगा। सीएम ने कहा कि एलडीए ने ग्रीन कॉरिडोर बनवाया है, यह सड़क और सुरक्षा दोनों का काम कर रहा है। इसी तरह तटबंध पर चलने की भी व्यवस्था कराएंगे।

इकाना में वैभव सूर्यवंशी ने जमकर पसीना बहाया

लखनऊ । इकाना स्टेडियम में क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने वेस्टइंडीज से भिड़ंत से एक दिन पहले जमकर पसीना बहाया। सोमवार को प्रैक्टिस करते हुए 1 घंटे में 15 छक्के मारे। इस दौरान 3 बार कैच भी उठा। बॉलिंग कोच मॉर्नी मोर्कल ने पेस बॉलर्स से वैभव सूर्यवंशी के लिए गेंदें डलवाईं। वैभव ने सबसे तेज शॉट्स मिडऑन और मिडऑफ पर लगाए।

सोमवार को भारत और वेस्टइंडीज दोनों टीमों ने मीडिया से अपनी तैयारियों के बारे में बताया। भारतीय बॉलिंग कोच मोर्कल ने कहा कि हमारा फोकस कल का मैच जीतने पर रहेगा। युवा खिलाड़ियों पर नजरें हैं। वहीं, वेस्टइंडीज की तरफ से स्टार स्पिनर ने ब्रीफ किया। उन्होंने कहा कि हम डरने वाले नहीं हैं। जो बीत गया, वह अतीत था।

वेस्टइंडीज के अकील हुसैन को रिपोर्टर ने 100वें टी-20 इंटरनेशनल मैच के लिए बधाई दी गई, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि वह अभी 99 मैचों पर ही हैं।

34 हजार वालंटियर संभालेंगे दीप प्रज्वलन और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी

योगी सरकार के नेतृत्व में भव्य होगा 10वां दीपोत्सव

तमसा संकेत, संवाददाता



अयोध्या। दीपों की कतारें, रोशनी से जगमगाते मंदिर और सरयू तट पर आस्था का अद्भुत नजारा- अयोध्या एक बार फिर भव्य दीपोत्सव की तैयारियों में जुट गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस वर्ष 10वां दीपोत्सव पांच से सात नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। राम की पैड़ी सहित करीब दो किलोमीटर क्षेत्र में 33 लाख मिट्टी के दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। आयोजन को भव्य और व्यवस्थित स्वरूप देने के लिए प्रशासन और संबंधित विभागों की तैयारियां तेज हो गई हैं। दीपों की निर्बाध रोशनी के लिए 65 लाख बातियों और 55 हजार लीटर तेल की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही दीप प्रज्वलन में इस्तेमाल होने वाली टी-शर्ट, मोमबत्ती, 150 किलो कपूर समेत अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था के लिए प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। आयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर पांच टेंडर जारी किए गए हैं, जिनमें दीप-सामग्री, स्टेज निर्माण, सजावट और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं शामिल हैं।

इस बार दीपोत्सव को पहले से अधिक भव्य और व्यवस्थित बनाने के साथ सुरक्षा, यातायात और स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। करीब दो किलोमीटर क्षेत्र में दीपों की पंक्तियों, फूलों की सजावट और प्रकाश व्यवस्था की तैयारियां की जा रही हैं।



प्रमुख मंदिरों की एलईडी सजावट से निखरेगा अयोध्या धाम

34 हजार वालंटियर संभालेंगे दीपोत्सव की जिम्मेदारी

दीपोत्सव को सफल बनाने में इस बार 34 हजार वालंटियर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये स्वयंसेवक दीप प्रज्वलन, व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने और श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखेंगे। आयोजन में शामिल होने वाले 34 हजार छात्रों के खान-पान की भी व्यवस्था की जा रही है। इससे युवा पीढ़ी को भी इस भव्य आयोजन से जुड़ने और दीपोत्सव का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।

राम की पैड़ी से सरयू तट तक दिखेगी दीपों की भव्य छटा

श्री अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद की ओर से इस बार भी दीपोत्सव का भव्य आयोजन कराया जाएगा। राम की पैड़ी पर विशेष स्टेज तैयार किया जाएगा, जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। दीपों से सजे घाट और रोशनी से नहाए प्रमुख मंदिर अयोध्या धाम की भव्यता को और बढ़ाएंगे। प्रमुख मंदिरों की एलईडी सजावट की तैयारियां भी आगे बढ़ रही हैं। सरयू तट से लेकर विभिन्न घाटों तक रोशनी की विशेष व्यवस्था की जाएगी। दीपों और रोशनी से सजी रामनगरी आस्था के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत और विकास की तस्वीर भी प्रस्तुत करेगी।

पीएम आवास योजना-शहरी में यूपी का देशभर में परचम

दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

- **लाभार्थी आधारित आवास निर्माण में स्वीकृत आवासों के सापेक्ष सर्वाधिक आवास पूर्ण कर यूपी ने हासिल किया प्रथम स्थान**
- **पीएमएवाई-यू 2.0 में स्वीकृत आवासों के सापेक्ष सर्वाधिक ग्राउंडिंग के मामले में प्रदेश को मिला तीसरा स्थान**

लखनऊ। विश्व पर्यावास दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी में देशभर में अपनी उपलब्धियों का परचम लहराया। 5 अक्टूबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में प्रदेश को दो प्रतिष्ठित श्रेणियों में पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि प्रदेश में जरूरतमंद परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आवास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता और लाभार्थी केंद्रित व्यवस्था को मिली यह राष्ट्रीय मान्यता उत्तर प्रदेश की शहरी विकास यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के लाभार्थी आधारित आवास निर्माण (बीएलसी) घटक में उत्तर प्रदेश ने देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत स्वीकृत आवासों की कुल संख्या के सापेक्ष सर्वाधिक प्रतिशत आवासों की ग्राउंडिंग यानी धरातल पर निर्माण कार्य शुरू कराने के मामले में उत्तर प्रदेश को तृतीय स्थान से सम्मानित किया गया है।

निर्देश : दवाओं की एमआरपी और खरीद कीमत में भारी अंतर पर एफएसडीए सख्त

अस्पताल फार्मेसियों में अब मरीज जान सकेंगे दवा की खरीद और बिक्री कीमत

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। दवाओं की खरीद कीमत और मरीजों को बेचे जाने वाले मूल्य के बीच बड़े अंतर तथा अस्पताल फार्मेसियों में कीमत संबंधी जानकारी की पारदर्शिता की कमी को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश (यूपीएफएसडीए) ने महत्वपूर्ण पहल की है। विभाग ने प्रदेश की सभी रिटेल फार्मेसियों को अपनी पब्लिक वेबसाइट स्थापित कर उस पर फार्मेसी, लाइसेंस, फार्मासिस्ट और स्टॉक से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने के निर्देश दिए हैं।

वहीं, अस्पताल परिसर में संचालित अथवा इन-पेशेंट मरीजों के लिए संचालित ऐसी फार्मेसियों, जहां मरीजों के पास दवा, मेडिकल डिवाइस या न्यूट्रास्युटिकल्स खरीदने का व्यवहारिक विकल्प उपलब्ध नहीं है, उन्हें अपनी वेबसाइट पर दवाओं की प्राइस टू रिटेल (पीटीआर) और प्राइस टू कंज्यूमर (पीटीसी) संबंधी जानकारी भी प्रदर्शित करनी होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था मूल्य नियंत्रण का आदेश नहीं, बल्कि जनहित में फार्मेसियों द्वारा आवश्यक जानकारी के सेल्फ-डिस्क्लोजर पर आधारित पहल है। ड्रग सेफ्टी, जनहित में गुणवत्तापूर्ण औषधियों की निर्बाध आपूर्ति की दिशा में यह बेहद महत्वपूर्ण पहल है। प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान विभाग के संज्ञान में आया कि औषधि निर्माता, मार्केटिंग फर्म और स्टॉकिस्ट कई अस्पताल स्थित फार्मेसियों को एमआरपी की तुलना में काफी कम दरों पर भारी छूट के साथ दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। विभाग के आदेश के अनुसार कई मामलों में दवाओं की एमआरपी उनके खरीद मूल्य से कई गुना अधिक पाई गई।

जनहित में
यूपीएफएसडीए का बड़ा कदम, अस्पतालों और रिटेल फार्मेसियों को पब्लिक वेबसाइट बनाने का निर्देश, क्यूआर कोड से भी मिलेगी जानकारी
अस्पताल फार्मेसियों को वेबसाइट पर पीटीआर और पीटीसी बताना होगा, सभी फार्मेसियों को लाइसेंस, फार्मासिस्ट और साप्ताहिक स्टॉक की जानकारी सार्वजनिक करने के निर्देश

डीपीसीओ के प्रावधानों के अनुपालन पर जोर

कमिश्नर, एफएसडीए डॉ. रोशन जैकब ने अपने आदेश में ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (डीपीसीओ)-2013 के प्रस्तर 25 का उल्लेख करते हुए कहा है कि प्रत्येक रिटेलर और डीलर को निर्माता अथवा आयातक द्वारा उपलब्ध कराई गई मूल्य सूची को अपनी दुकान या कारोबार की जगह पर ऐसे प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना होता है, जहां इच्छुक व्यक्ति उसे आसानी से देख सके। यूपीएफएसडीए के अनुसार डीपीसीओ का यह प्रावधान अस्पताल फार्मेसियों सहित सभी फार्मेसियों पर लागू है। हाल के महीनों में विभाग की ओर से की गई प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान सामने आए तथ्यों से यह स्पष्ट हुआ कि कई लाइसेंसी फर्मों द्वारा इस प्रावधान के अनुरूप अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही थी।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं द्वारा पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPR-D), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के प्रायोजन में Best Practices in Prison Administration विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज कारागार मुख्यालय, लखनऊ में शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महानिदेशक कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं, उत्तर प्रदेश श्री पी.सी. मीना रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी अपर महानिरीक्षक कारागार (प्रशिक्षण), डॉ रामधनी द्वारा महानिदेशक कारागार को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करने के साथ हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रभारी अपर महानिरीक्षक कारागार (प्रशि./वि.) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न विषय विशेषज्ञों एवं विभागीय प्रवक्ताओं द्वारा कारागार प्रशासन की बेहतर कार्यप्रणालियों, नए प्रयोगों और सुधारात्मक प्रयासों पर व्याख्यान दिए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न राज्यों में किए जा रहे अच्छे कार्यों और उनके अनुभवों को भी साझा किया जाएगा। अपने संबोधन में महानिदेशक कारागार श्री पी.सी. मीना ने कहा कि कारागार प्रशासन में सुरक्षा के साथ-साथ सुधार और पुनर्वास पर भी विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न राज्यों में किए जा रहे अच्छे कार्यों और सफल प्रयोगों से सीखने तथा उन्हें स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अपनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ मध्य प्रदेश और हरियाणा के कारागार अधिकारी भी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान उत्तर प्रदेश के अलावा तेलंगाना, पंजाब, मध्य प्रदेश और राजस्थान में कारागार प्रशासन के क्षेत्र में अपनाई जा रही बेहतर कार्यप्रणालियों और नवाचारों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

7 साल पहले शादी हुई थी, रात 2 बजे लाइसेंसी रिवाल्वर से सुसाइड किया

कानपुर में सरकारी डॉक्टर ने खुद को गोली से उड़ाया

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में सरकारी डॉक्टर ने सुसाइड कर लिया। उन्होंने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को सीने में गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर पत्नी कमरे में पहुंची तो डॉक्टर जमीन पर खून से लथपथ पड़े थे।

परिवार के लोग डॉक्टर संदीप सिंह (47) को रीजेंसी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना रविवार रात करीब 2 बजे निराला नगर के ब्लॉसम अपार्टमेंट की है।



डॉक्टर संदीप सिंह सर्जन थे और कानपुर देहात में तैनात थे। संदीप के पिता राज बहादुर ने बताया, "रात में बहू कंचन का फोन आया था। बोली- संदीप ने खुद को गोली मार ली है। अस्पताल ले जा रही हूं। मैंने कहा- तुम बहुत धर्मात्मा बनती हो, जियो अपने हिसाब से।" डीसीपी दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि फोरेंसिक टीम ने रिवाल्वर जब्त कर लिया है। संदीप सिंह लाल बंगला के परदेवनपुरवा के रहने वाले थे। उनके पिता का नाम राज बहादुर सिंह है। संदीप चार भाई, विशाल सिंह, विक्रम सिंह व राहुल सिंह थे। विशाल का बीमारी से निधन हो गया था,



निराला नगर के ब्लॉसम अपार्टमेंट में डॉक्टर ने खुद को गोली मार ली। घटना की सूचना पर सोमवार सुबह जांच-पड़ताल करने पहुंची पुलिस।

> **किदवई नगर थानाध्यक्ष नीरज द्विवेदी ने कहा- सीने में गोली मारकर सुसाइड का मामला सामने आया है। प्रथमदृष्टया पारिवारिक कलह की बात सामने आ रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पूछताछ के बाद ही सही वजह स्पष्ट हो सकेगी।**

7 साल पहले की थी दूसरी शादी

चचेरे भाई मोहित ने बताया- संदीप की पहली शादी 2007 में कानपुर की MBBS डॉक्टर कीर्ति सिंह से हुई थी, जिनसे उनका एक 12 साल का बेटा है। दोनों का म्युचुअल अंडरस्टैंडिंग से 2018 में तलाक हो गया था।

जिसके बाद 2019 में उन्होंने कासगंज निवासी कंचन सिंह से लव मैरिज की थी। कंचन हाउस वाइफ हैं, उनके एक बेटा-बेटी हैं। 4 साल की माही और दो माह का बेटा है।

पिता राज बहादुर ने बताया- शादी के कुछ समय बाद ही संदीप और कंचन के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद होने लगे थे। जानकारी मिलने पर वह अक्सर दोनों को समझाकर शांत करा देते थे।

उन्होंने बताया- संदीप से कल रात 9:30 बजे आखिरी बार बात हुई थी। मैंने बेटे से हालचाल पूछा। देर रात पत्नी से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। रात दो बजे उन्होंने कमरे लाइसेंसी रिवाल्वर निकाली। इसके बाद उन्होंने भगवान के कमरे में जाकर लड्डू गोपाल के पैर छुए, फिर मंदिर के सामने बैठ कर सीने में गोली मार ली।

जबकि राहुल सिंह की नोएडा में हिट एंड रन केस में मौत हो गई थी। पिता राजबहादुर सेना में सूबेदार के पद से रिटायर्ड थे।

आगरा के रामप्रताप सिंह को भाजपा ने राज्यसभा प्रत्याशी बनाया

वर्तमान में प्रदेश महामंत्री हैं, एत्मादपुर से रहे हैं विधायक

तमसा संकेत, एजेंसी



आगरा । भाजपा ने आगरा के वरिष्ठ नेता और प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान को राज्यसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है। पार्टी के इस फैसले से आगरा भाजपा में खुशी की लहर है। चौहान वर्तमान में भाजपा के प्रदेश महामंत्री हैं और उन्हें संगठन में लंबे अनुभव वाले नेताओं में गिना जाता है। जून 2026 में घोषित भाजपा की नई प्रदेश टीम में उन्हें लगातार दूसरी बार प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी मिली थी।

रामप्रताप सिंह चौहान का राजनीतिक सफर भाजपा संगठन से जुड़कर आगे बढ़ा। वर्ष 1991 से 1994 के बीच उन्होंने भाजयुमो में मंडल अध्यक्ष के रूप में काम किया। इसके बाद भाजयुमो के महानगर अध्यक्ष, ब्रज प्रांत प्रभारी और प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। वर्ष 2006-07 में भाजपा जिलाध्यक्ष, 2007 से 2012 तक ब्रज क्षेत्र महामंत्री और 2013 से 2016 तक प्रदेश मंत्री रहे। वर्ष 2017 में उन्होंने एत्मादपुर विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता और पहली बार विधायक बने। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया। इसके बाद वर्ष 2023 में उन्हें प्रदेश महामंत्री बनाया गया। 2026 में पार्टी की नई प्रदेश कार्यकारिणी में भी उन्हें दोबारा प्रदेश महामंत्री बनाया गया। अगस्त 2026 में उन्हें भाजपा के पश्चिमी क्षेत्र का प्रभारी भी बनाया गया था। रामप्रताप सिंह चौहान के राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने को आगरा के लिए भी महत्वपूर्ण राजनीतिक उपलब्धि माना जा रहा है।

फास्ट न्यूज

रातोंरात बढ़ जाता है चुनाव आयोग का वोट परसेंट

आगरा । आजाद समाज पार्टी (ASP) के अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर आजाद ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। वोट चोरी का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा- हमें जानकारी होती है कि 65% वोटिंग हुई है, लेकिन 2-3 दिन बाद चुनाव आयोग का आंकड़ा 70% वोटिंग का आता है तो ये रातोंरात 5% वोट कैसे बढ़ जाता है।

एल्विश के बाउंसर ने फैन को मंच से धक्का दिया

कानपुर। कानपुर में यूट्यूबर एल्विश यादव के बाउंसर ने सेल्फी लेने पहुंचे फैंस को मंच से धक्का दे दिया। इससे वह मंच मौजूद एक युवक के साथ नीचे जा भीड़ के बीच जा गिरा। बाद में उस युवक को मंच पर बुलाया, लेकिन फैंस को नहीं। रविवार को मोतीझील ग्राउंड में 'रंगीलो डांडिया रास' कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें यूट्यूबर एल्विश यादव के साथ इन्फ्लुएंसर गुनगुन गुप्ता और उपनीत कौर भी पहुंची थीं। स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान एक फैन सेल्फी लेने के लिए मंच पर पहुंच गया। घटना का वीडियो सोमवार को सामने आया है। वीडियो में फैंस एल्विश के पास जाने की कोशिश कर रहा था, तभी मंच पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया।

सीसामऊ से अन्नू अवस्थी के चुनाव लड़ने का ऐलान

कानपुर। कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट से कॉमेडियन अन्नू अवस्थी ने चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। रविवार को सीसामऊ क्षेत्र के तीन मंदिरों के देव दर्शन के लिए उन्होंने देव यात्रा निकाली। अन्नू अवस्थी ने कहा- वहां लोग रो-रोकर जीते हैं, हम वहां हंसाकर जीतेंगे। इस पर सपा विधायक नसीम सोलंकी ने पलटवार किया। बोलीं- यह सपना है।

भोजपुरी एक्टर पवन सिंह पर 1 हजार का जुर्माना

बलिया कोर्ट ने भरण-पोषण मामले में पेश न होने पर कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी



बलिया। बलिया में भोजपुरी एक्टर (MLC) पवन सिंह पर कोर्ट ने 1 हजार का जुर्माना लगाया है। भरण-पोषण मामले में सोमवार को परिवार न्यायालय में सुनवाई हुई। पवन सिंह अदालत में पेश नहीं हुए, जबकि उनकी पत्नी ज्योति सिंह कोर्ट पहुंची थीं।

अदालत ने पवन सिंह को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का अंतिम अवसर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी।

अदालत ने समय पर सबूत ने देने के मामले में ज्योति सिंह पर भी 500 रुपये का हर्जाना लगाया है। पिछली सुनवाई में भी न्यायालय ने पवन सिंह को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद सोमवार को वह अदालत नहीं पहुंचे। ज्योति सिंह ने 22 अप्रैल 2022 को बलिया परिवार न्यायालय में अंतरिम भरण-पोषण के लिए याचिका दाखिल की थी। इसके बाद से मामले की सुनवाई चल रही है। दोनों पक्षों के बीच विवाद सुलझाने के लिए कोर्ट ने काउंसलिंग भी कराई, लेकिन मामला नहीं सुलझ सका। पवन सिंह ने बिहार के आरा जिले के पारिवारिक न्यायालय में तलाक की अर्जी दाखिल की थी। इसके बाद ज्योति सिंह ने बलिया परिवार न्यायालय में भरण-पोषण की याचिका दाखिल की। मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है।

बच्चों को शव के साथ कमरे में बंद कर भागा पति, 5 साल का बेटा बोला- पापा ने मम्मी को मार डाला

रामपुर में सिलबट्टे से कूचकर पत्नी की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर । रामपुर में रविवार रात घरेलू विवाद के बाद पति ने पत्नी की हत्या कर दी। विवाद बढ़ने पर घर में रखा भारी सिलबट्टा उठाकर पत्नी के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी ने पत्नी के शव और अपने दोनों बच्चों को कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगाया और फरार हो गया।

इसके बाद उसने गांव के एक दुकानदार को घटना की जानकारी दी। दुकानदार ने प्रधान पति को बताया। सूचना पर पुलिस पहुंची ने ताला खुलवाकर बच्चों को बाहर निकाला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। घटना स्वार कोतवाली क्षेत्र की है। जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर मझरा सीतारामपुर गांव में मृतका की पहचान रीना सैनी (30) के रूप में हुई है। उसका विवाह 30 नवंबर 2021 को धर्मेंद्र (35) से हुआ था। उसके दो बच्चे हैं रूद्र (5) और गीतिका (2) रीना के भाई शुभम सैनी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि रात करीब साढ़े सात बजे गांव के एक व्यक्ति ने फोन कर बहन और बहनोई के बीच विवाद होने की जानकारी दी थी। परिवार के साथ मौके पर पहुंचने पर घर के मुख्य गेट पर ताला लगा मिला। अंदर कमरे में रीना खून से लथपथ मृत पड़ी थी।



मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने रीना के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।



फॉरेंसिक टीम ने जुटाए मौके से साक्ष्य

सूचना मिलते ही स्वार कोतवाली प्रभारी अनुपम शर्मा और चौकी प्रभारी सोहनपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। टांडा सीओ पंकज पंत भी घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों व ग्रामीणों से पूछताछ की। फॉरेंसिक टीम ने मौके की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य भी जुटाए हैं। शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

ग्रामीणों के मुताबिक धर्मेंद्र गांव से करीब पांच किलोमीटर दूर नरपतनगर में पेस्टीसाइड की दुकान चलाता है। रविवार शाम दुकान बंद करने के बाद वह घर आया था। रात में पत्नी से किसी घरेलू बात को लेकर कहासुनी हुई। किसी को अंदाजा नहीं था कि मामूली विवाद इतनी बड़ी वारदात में बदल जाएगा। गुस्से में धर्मेंद्र ने सिलबट्टे से पत्नी के सिर पर कई वार कर दिए।

> **धर्मेंद्र सैनी गांव भूबरा मुस्तेहकम की पूर्व प्रधान लक्ष्मी सैनी का सगा भतीजा है। उसके पिता रमेश सैनी की करीब 12 साल पहले मौत हो चुकी है। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा है। हत्या के बाद धर्मेंद्र फरार है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।**

ट्रेन में पकड़ाया मास्टरमाइंड, जम्मू में शादी की तैयारी थी, नदी-पहाड़ पार कर भारत में घुसे, अलीगढ़ को बनाया ठिकाना

4 विदेशी लड़कियों की तस्करी

तमसा संकेत, एजेंसी

ग्वालियर । ग्वालियर GRP ने रविवार को अलीगढ़ में किराए के मकान पर छापा मारकर म्यांमार की 4 विदेशी लड़कियों को रेस्क्यू किया। इनमें 2 नाबालिग हैं। ट्रेन में पकड़े गए मुबीन (25) को पुलिस इस मामले का मास्टरमाइंड बता रही है। उसका साथी मोहम्मद हसन (35) भी पकड़ा गया है।

शुरुआती जांच में सामने आया कि लड़कियों को बांग्लादेश के कुतुपालोंग रिफ्यूजी कैंप से नदी-पहाड़ पार कर भारत लाया गया था। उन्हें शादी के लिए जम्मू-श्रीनगर ले जाने की तैयारी थी। मुबीन स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस में पकड़ा गया था, जिसकी निशानदेही पर पुलिस अलीगढ़ के ठिकाने तक पहुंची।

GRP को शनिवार को भोपाल कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि ट्रेन नंबर 12643 स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस के जनरल कोच में म्यांमार का एक व्यक्ति संदिग्ध तरीके से सफर कर रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दीपशिखा सिंह तोमर ने टीम के साथ ट्रेन की जांच की।



जनरल कोच में पुलिस ने मुबीन (25) को पकड़ लिया। वह म्यांमार का रहने वाला है और फिलहाल हैदराबाद में रह रहा था। जांच के दौरान उसके साथ कोई लड़की नहीं मिली। चारों लड़कियों से पूछताछ में भाषा की दिक्कत सामने आई। पुलिस के मुताबिक, वे रोहिंग्या और स्थानीय बोलियां ही बोलती हैं। शुरुआती पूछताछ के लिए गूगल ट्रांसलेट और द्विभाषी अनुवादक की मदद ली गई। GRP ने आगे की पूछताछ के लिए अनुवादक उपलब्ध कराने को लेकर पत्र भी भेजा है। पुलिस को एक आरोपी के पास UNHCR कार्ड भी मिला है। अब इसकी जांच की जा रही है कि कार्ड असली है या गलत तरीके से हासिल किया गया। पुलिस के मुताबिक, सभी छह विदेशी नागरिक म्यांमार के रहने वाले हैं। इनके भारत में दाखिल होने और दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

> **पुलिस के मुताबिक, लड़कियों को शादी के लिए जम्मू और श्रीनगर ले जाने की तैयारी थी। अब जांच इस बात पर भी केंद्रित है कि शादी के लिए उन्हें किन लोगों के संपर्क में भेजा जाना था और इस पूरे नेटवर्क में और कौन शामिल है।**

पूछताछ में अलीगढ़ का पता चला

पूछताछ में मुबीन ने अपने साथी मोहम्मद हसन (35) के बारे में जानकारी दी। हसन भी म्यांमार का रहने वाला है और अलीगढ़ में किराए के मकान में रह रहा था। मुबीन से मिली जानकारी के आधार पर GRP की टीम अलीगढ़ पहुंची। यहां बताए गए ठिकाने पर छापा मारकर पुलिस ने हसन को पकड़ा और चार लड़कियों को रेस्क्यू किया। इनमें दो नाबालिग हैं।



जीआरपी ने दो युवक मोहम्मद हसन और मुबीन को भी पकड़ा है।

कुतुपालोंग कैंप से भारत आने की बात

पुलिस की शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि चारों लड़कियां म्यांमार की रहने वाली हैं और बांग्लादेश के कुतुपालोंग रिफ्यूजी कैंप से भारत लाई गई थीं। पुलिस के मुताबिक, उन्हें पहाड़, जंगल और नदी के मुश्किल रास्तों से भारत में दाखिल कराया गया। पूछताछ में लड़कियों को उनके माता-पिता की कथित सहमति से भारत लाने की बात भी सामने आई है।

टीचर पति-पत्नी का हत्यारा चप्पल से पकड़ा गया

आधी रात महिला ने चोरी करते हुए देखा था

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में 28 सितंबर को मारे गए टीचर पति-पत्नी की हत्या उनके ड्राइवर ने ही की थी। आरोपी ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर दोनों को मारा था। आधी रात को ड्राइवर उनके कमरे में अलमारी की चाबी खोज रहा था, तभी सरकारी प्रिंसिपल की पत्नी ने उसे देख लिया। महिला ने ड्राइवर को डांटा तो उसने विरोध कर शांत रहने को कहा। लेकिन उन्होंने शोर मचाकर पति को बुला लिया। जब पति-पत्नी विरोध करने लगे तो दोनों की फावड़े और कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। हत्याकांड के बाद आरोपी पैसे लेकर फरार हो गए। पुलिस ने सोमवार दोपहर 1:15 बजे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा किया। आरोपियों का एक दोस्त अभी फरार है। वारदात जिला मुख्यालय से करीब 55 किमी दूर कादीपुर के कुंभी डडिया स्थित मनराजी शिक्षण संस्थान की है।



कुंभी डडिया गांव में मुकेश सिंह (45) का पैतृक आवास है। वो खनुहट के कंपोजिट विद्यालय में तैनात थे। वो ब्लॉक शिक्षक संघ के अध्यक्ष भी थे। प्रिंसिपल की पत्नी विनीता (43) गांव में ही घर से 1 किमी दूर मनरागी इंटर कॉलेज चलाती थीं। उनके स्कूल में 17 शिक्षक और कर्मचारियों का स्टॉफ हैं। स्कूल में 550 बच्चे पढ़ाई करते हैं। दोनों का इकलौता बेटा अभ्यदुय (20) दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहा है।

पृष्ठ 01 का शेष...

भाजपा के 8 राज्यसभा ...

वह गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट भी हैं। पिता परिमल नथवानी झारखंड से निर्दलीय राज्यसभा सांसद हैं। 3 महीने पहले NDA के समर्थन से राज्यसभा पहुंचे थे।

जबकि सपा के दूसरे प्रत्याशी प्रो.रामगोपाल यादव, अखिलेश यादव के चाचा हैं। वह 90 के दशक से लगातार राज्यसभा में सपा की ओर से जा रहे हैं। एक बार लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं। वर्तमान में राम गोपाल यादव पार्टी के प्रमुख महासचिव भी हैं।

धर्मपाल सिंह बरेली की आंवला विधानसभा सीट से भाजपा विधायक और योगी कैबिनेट में पशुधन मंत्री हैं। लोधी-राजपूत समुदाय से आते हैं।

राधाकांत ओझा प्रयागराज के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। 2024 में फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान भी उनका नाम भाजपा के संभावित दावेदारों में प्रमुखता से सामने आया था।

प्रकाश पाल भाजपा पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। जून 2026 में उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई थी। वह कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

विद्यासागर सोनकर जौनपुर के वरिष्ठ भाजपा नेता हैं। वे पहले लोकसभा सांसद रह चुके हैं और भाजपा संगठन में प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

गोपी कृष्ण पांडेय का नाम भाजपा ने पहली बार इस स्तर पर राज्यसभा प्रत्याशी के तौर पर सामने रखा है।

प्रियंका सिंह रावत बाराबंकी लोकसभा सीट से 2014 में भाजपा के टिकट पर सांसद चुनी गई थीं। वह बाराबंकी की पहली महिला सांसद बनी थीं। 2019 में भाजपा ने उनकी जगह उपेंद्र सिंह रावत को टिकट दिया। वर्तमान में वह भाजपा उत्तर प्रदेश की प्रदेश उपाध्यक्ष हैं।

सीजेपी नेताओं का ...

सौरव दास- युवा अब अपने अधिकारों को लेकर जागरूक हैं और किसी भी तरह की कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे। सरकार अगर उन्हें गिरफ्तार भी करती है, तो आंदोलन जारी रहेगा। नेता साथ हों या न हों, अपने अधिकारों और भविष्य के लिए आंदोलन जारी रखें।

अभिजीत दीपके- BJP उन राज्यों में भी जीत रही है, जहां मोदी लहर के दौरान भी उसे जीत नहीं मिली थी। ज्ञानेश कुमार के पद पर रहते और SIR जारी रहने तक यह पता नहीं चलेगा कि BJP वास्तव में कितनी सीटें जीत सकती है। अगर चुनाव का नतीजा पहले से तय होने लगे तो चुनाव कराने का कोई मतलब नहीं है।

आशुतोष रांका- सूत्रों के मुताबिक 10 तारीख से पहले हमें कभी भी NSA/दूसरे किसी कानून के तहत गिरफ्तार कर लिया जाएगा। लेकिन अगर हमें मार भी दिया तो हमारी चिता से निकलने वाली आग तुम्हारे महलों को पिघला देगी।

CEC ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग पर SIR को लेकर सवालों खड़े हुए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने SIR से जुड़े फैसलों और आदेशों पर रिकॉर्ड में कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी। दावा है कि कई फैसले और आदेश संधू और जोशी की जानकारी या सिफारिश के बिना जारी किए गए। इसके बाद से विपक्ष ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए देशभर में प्रदर्शन कर रहा है।

सरकारी आश्रम स्कूल...

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छात्रों के बाल काटने के लिए ट्रिमर का इस्तेमाल किया गया, जिससे उनके बाल टेढ़े-मेढ़े कट गए थे। छात्रों की अजीब और आधे-अधूरे तरीके से कटे बालों की तस्वीर शाम को वायरल हो गई थी।

जिसके बाद अभिभावकों में गुस्सा फैल गया था। तस्वीरें सामने आने के बाद उच्च अधिकारियों ने स्कूल से संपर्क किया।

इसके बाद देर रात फिर से बच्चों के बाल काटे गए। खबरों के मुताबिक, यह प्रक्रिया रात करीब 11 बजे शुरू हुई और रविवार सुबह करीब 4 बजे तक चली।

स्कूल के प्रिंसिपल प्रशांत गिरी ने इस घटना को लेकर सुपरिटेंडेंट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। स्कूल के सुपरिटेंडेंट प्रशांत मेश्राम ने अपना बचाव करते हुए कहा कि फैसला स्टूडेंट्स के हित में लिया गया था और इसके पीछे कोई गलत इरादा नहीं था।

उन्होंने कहा कि बारिश के चलते छात्र कुछ समय से नियमित रूप से बाल नहीं कटवा पा रहे थे। इसीलिए बच्चों के बाल छोटे किए गए हैं।

अपराधियों में मौत ...'

इस मामले में पहली सुनवाई 28 सितंबर को हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई में कहा था कि सार्वजनिक जगहों को खराब रोशनी, निगरानी की कमी और पेट्रोलिंग की कमी जैसी वजहों से 'हाई रिस्क जोन' नहीं बनने दिया जा सकता। सिर्फ संवेदना जताना समाधान नहीं है, बल्कि अपराध रोकने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों पर है, उनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

आस्था कुंज पार्क की घटना का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि LSR कॉलेज की छात्राओं ने पहले भी यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था में जरूरी सुधार नहीं किए गए।

'चुनाव आयोग ने ...

इस पूरे मामले की शुरुआत इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट से हुई थी, जिसमें SIR को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारियों के बीच मतभेदों का जिक्र था। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने चुनाव पैनल के भीतर SIR प्रक्रिया को लेकर बार-बार चिंता जताई थी। विपक्ष एक बार फिर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना बना रहा है। अप्रैल 2026 में भी विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग नोटिस दिया था लेकिन लोकसभा में वह प्रस्ताव खारिज हो गया था, जबकि राज्यसभा में अभी भी लंबित है।

नैमिष तक गोमती ...

सिंचाई विभाग इन कार्यों का प्रस्ताव बनाकर शीर्घ कार्य प्रारंभ कराए, जिससे आने वाले समय में इस त्रासदी को रोक सकें और बाढ़ की विभीषिका पर अंकुश लगाया जा सके। सीएम ने सुबह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के फोन आने और व्यक्त करने के बारे में पीड़ितों को अवगत कराया। रक्षा मंत्री को जानकारी दी कि सरकार ने इसे स्वीकृत कर दिया है, धनराशि अवमुक्त करते हुए यह कार्य जल्द आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने अकड़रिया कला गांव में बाढ़ पीड़ितों से बातचीत की। कहा कि पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व नेपाल में हुई बारिश के कारण पांच-छह दिन बाद पानी नीचे आने से गोमती नदी का जलस्तर बढ़ गया। इस कारण बख्शी का तालाब , लखनऊ उत्तर, फैजुल्लागंज से लेकर नैमिष तक यह क्षेत्र जल पलावन और बाढ़ से जूझ रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि डबल इंजन सरकार आपके साथ खड़ी है। लगातार स्थिति पर नजर है। हमारे जनप्रतिनिधि निरंतर राहत-बचाव कार्यों में जुटे हैं और प्रशासन के साथ पीड़ितों की हरसंभव मदद कर रहे हैं।

तीन अस्पतालों को ...

इसके बाद उनके पैर में प्लास्टर लगाया गया और उन्होंने व्हीलचेयर पर बैठकर चुनाव प्रचार किया था।

अधिकारी ने कहा, "2021 में मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि उनका अपमान किया गया और उनका पैर टूट गया। हालांकि, उस समय बांगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज की रिपोर्ट में कोई फ्रैक्चर नहीं बताया गया था।"

उन्होंने कहा, "CID इस मामले की जांच कर रही है। हम झूठे प्रचार की नई जांच कराएंगे। इसकी जानकारी 9 अक्टूबर के बाद दी जाएगी।"

ममता ने नोटिस में ...

क्या दस्तावेज जारी करने के लिए किसी अदालत ने आदेश दिया था। रिकॉर्ड का इस्तेमाल किसलिए हुआ। किन परिस्थितियों में इसे दिया गया। साथ ही, यह भी बताने को कहा गया है कि सार्वजनिक किए गए दस्तावेज मूल मेडिकल रिकॉर्ड थे या नहीं।

फरवरी में शादी हुई थी, पूजा के बाद बोले- व्यवस्थाओं से खुश हूं, स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया

शिखर धवन पत्नी सोफी शाइन संग तिरुमला पहुंचे

धवन की पहली शादी आएशा मुखर्जी से हुई थी। दोनों का एक बेटा है, जिसका नाम जोरावर है।
आठ साल की शादी के बाद दोनों अक्टूबर 2023 में अलग हो गए थे। दिल्ली की फैमिली कोर्ट ने 5 अक्टूबर 2023 को तलाक कंफर्म किया था।
धवन ने कहा है कि शादी खत्म होने के बाद वह करीब दो साल से अपने बेटे जोरावर से व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल पाए हैं।

प्रशंसा

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन सोमवार को पत्नी सोफी शाइन के साथ तिरुमला मंदिर पहुंचे। दोनों ने भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति में धवन और सोफी पारंपरिक कपड़ों में मंदिर पहुंचे। धवन ने भक्तों से मुलाकात की और फैंस के साथ तस्वीरें भी खिंचाईं। धवन और सोफी ने 21 फरवरी 2026 को शादी की थी।



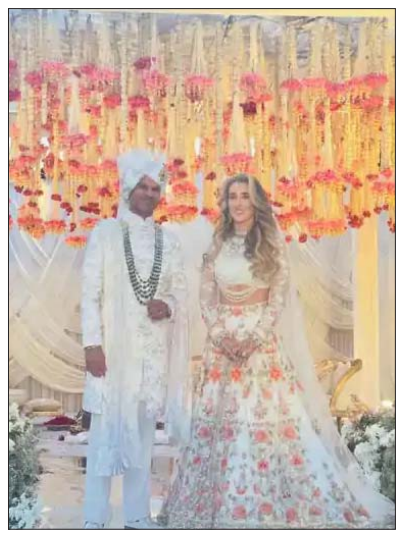
शिखर धवन ने 2010 में टी-20 और 2011 में भारत के लिए वनडे डेब्यू किया। हालांकि, टीम में जगह बनाने में उन्हें 3 साल लग गए। 2013 में उन्होंने टेस्ट डेब्यू किया, यहीं से वे तीनों फॉर्मेट में फिक्स हो गए। उन्होंने 10 दिसंबर 2022 तक भारत के लिए 167 वनडे, 68 टी-20 और 34 टेस्ट खेले। इनमें 24 शतक और 55 फिफ्टी शामिल रहीं। धवन ने 24 अगस्त 2024 को इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं। जब वह धवन से मिली थी तब UAE में जॉब करती थी। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक वह अमेरिका की फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन में सेकेंड वाइस प्रेसिडेंट (प्रोडक्ट कंसल्टेंट) के पद पर कार्यरत रही हैं। सोफी पिछले साल जुलाई से धवन की स्पोर्ट्स कंपनी डा वन स्पोर्ट्स की COO (चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर) हैं।

उन्होंने आयरलैंड के लिमरिक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मार्केटिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। शुरुआती शिक्षा उन्होंने कैसलरॉय कॉलेज से पूरी की। सोफी, धवन के इंस्टाग्राम पर आने वाले कई मजेदार वीडियो में भी नजर आती रहती हैं।

व्यवस्थाओं की तारीफ की

दर्शन के बाद धवन ने मीडिया से कहा कि मंदिर प्रशासन ने बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की थीं। उन्होंने भगवान तिरुपति के अच्छे दर्शन के लिए आभार जताया। धवन ने कुर्ता और धोती पहनी थी। सोफी सफेद सूट में नजर आईं।

दर्शन के बाद धवन ने कहा, मेरा दर्शन बहुत शानदार रहा। यहां प्रशासन ने बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की थीं। भगवान तिरुपति के इतने अच्छे दर्शन पाकर मैं बहुत आभारी हूं।



धवन और सोफी शाइन ने 21 फरवरी 2026 को शादी की थी।

सूर्यकुमार यादव रणजी ट्रॉफी में लौटेंगे

मुंबई के लिए 11 अक्टूबर से खेल सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी



पूर्व भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 2026-27 रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलने के लिए उपलब्ध हैं। वे मुंबई के पहले एलीट ग्रुप D मैच में चंडीगढ़ के खिलाफ खेल सकते हैं।

मुंबई और चंडीगढ़ के बीच यह मुकाबला 11 अक्टूबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। सूर्यकुमार ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच IPL 2026 में खेला था।

वहीं, पूर्व मुंबई कप्तान शार्दूल ठाकुर हाथ की चोट के कारण शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तुषार देशपांडे मुंबई के तेज गेंदबाजी अटैक की अगुआई करेंगे।

सूर्यकुमार ने फरवरी 2025 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ मुंबई के लिए आखिरी रणजी मैच खेला था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्होंने घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, सूर्या ने MCA अध्यक्ष अजिंक्य नाइक को आगामी रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। सूर्यकुमार ने अब तक 86 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 5,758 रन हैं। उन्होंने 144 पारियों में 14 शतक और 30 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 42.33 है।

वेस्टइंडीज टीम ने मांगा एक्स्ट्रा नारियल पानी

इंदौर, एजेंसी



इंदौर के होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों की डाइट, हाइड्रेशन और रिकवरी का खास ध्यान रखा जा रहा है। इसी बीच वेस्टइंडीज टीम ने इंदौर में नारियल पानी का एक्स्ट्रा स्टॉक रखने की विशेष मांग की है।

वेस्टइंडीज टीम के मैनेजर ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (MPCA) से फोन पर एक्स्ट्रा नारियल पानी उपलब्ध रखने का आग्रह किया है। MPCA के सीईओ रोहित पंडित के मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए सामान्य तौर पर नारियल पानी की व्यवस्था रहती है, लेकिन इस बार वेस्टइंडीज टीम ने इसकी अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। इंदौर में बारिश के बाद अब तापमान बढ़ने के साथ गर्मी और ड्राई हीट का असर दिखाई दे रहा है। ऐसे में मैदान पर लगातार दौड़ने, फील्डिंग और बल्लेबाजी-गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ियों के लिए हाइड्रेशन अहम है। टीम प्रबंधन चाहता है कि खिलाड़ियों को जरूरत के समय नारियल पानी आसानी से उपलब्ध हो।

दोनों टीमों के खिलाड़ियों की पसंद और जरूरत के अनुसार भोजन की व्यवस्था की जा रही है। डाइट में वेजेटेरियन विकल्प ज्यादा रखे गए हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और मैच के बाद रिकवरी को ध्यान में रखते हुए खान-पान तैयार किया जाएगा।

इंदौर में 11 अक्टूबर को भारत से टी-20 मुकाबला
डिहाइड्रेशन से बचने शाकाहारी भोजन पर जोर

प्रज्ञान चुन सकते हैं न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम

लंदन। न्यूजीलैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान इस हफ्ते हो सकता है। प्रज्ञान ओझा 5 से 11 अक्टूबर के बीच होने वाली सिलेक्शन मीटिंग की अगुवाई करेंगे। वे सितंबर 2025 में टीम इंडिया के सिलेक्टर बने थे। चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त हो चुका है। BCCI ने अभी तक उनका उत्तराधिकारी तय नहीं किया है। न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। वहां टीम इंडिया को पांच T20Is, पांच ODIs और दो टेस्ट खेलने हैं। नए चयनकर्ता की नियुक्ति तक समिति चार सदस्यों के साथ काम करेगी। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रज्ञान ओझा अगरकर के बाद पहली चयन बैठक की जिम्मेदारी संभालेंगे। वे अंतरिम तौर पर चयन समिति के प्रमुख की भूमिका में होंगे। हालांकि, यह साफ नहीं है कि उनकी भूमिका अस्थायी होगी या स्थायी। BCCI की पांच सदस्यीय चयन समिति में नए चयनकर्ता की नियुक्ति तक चार सदस्य रहेंगे।

भारत पर 20%, वेस्टइंडीज पर 10% मैच फीस का जुर्माना, दोनों कप्तानों ने गलती मानी

न्यू चंडीगढ़ वनडे में स्लो ओवर रेट पर आईसीसी की कार्रवाई

आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के प्रकाश भट्ट ने दोनों टीमों पर जुर्माना लगाया। दोनों कप्तानों ने आरोप स्वीकार कर प्रस्तावित सजा मान ली। इसलिए मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यू चंडीगढ़ में शनिवार को भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए तीसरे और आखिरी वनडे में स्लो ओवर-रेट के लिए ICC ने दोनों टीमों पर जुर्माना लगाया है।

भारतीय खिलाड़ियों की मैच फीस का 20% और वेस्टइंडीज खिलाड़ियों की मैच फीस का 10% काटा जाएगा। टाइम अलाउंस को ध्यान में रखने के बाद भारत 4 ओवर और वेस्टइंडीज 2 ओवर पीछे रही। स्लो ओवर-रेट के चार्ज ऑन-फील्ड अंपायर जयरामन मदनगोपाल और सैम नोगाज्स्की ने लगाए। थर्ड अंपायर शराफुद्दौला इब्ने शाहिद और फोर्थ अंपायर वीरेंद्र शर्मा भी चार्ज लगाने की प्रक्रिया में शामिल थे। न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज ने भारत को 5 विकेट से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 351 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज ने कप्तान शाई होप की नाबाद 162 रन की पारी के दम पर 48.2 ओवर में 5 विकेट पर 352 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि, भारत ने पहले दो मैच जीतकर 3 मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की।



तीसरे वनडे में टॉस के दौरान शुभमन गिल और शाई होप हाथ मिलाते हुए।

आईसीसी के नियम 2.22 के तहत कार्रवाई

ICC के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के मुताबिक, तय समय में ओवर पूरे नहीं करने पर हर कम ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का 5% जुर्माना लगाया जाता है। इसी नियम के तहत भारत पर 4 ओवर कम करने के लिए 20% और वेस्टइंडीज पर 2 ओवर कम करने के लिए 10% जुर्माना लगाया गया।

मनोरंजन

डीपफेक वीडियो पर भड़कीं जान्हवी कपूर जूनियर एनटीआर और चिरंजीवी का जताया आभार

तकनीक का गलत इस्तेमाल यौन उत्पीड़न जैसा : जान्हवी

नई दिल्ली, एजेंसी

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने अपनी फिल्म 'देवराः पार्ट 1' के गाने 'चुट्टामल्ले' पर बने AI जनरेटेड अश्लील (डीपफेक) वीडियो पर कड़ी नाराजगी जताई है।

इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक बयान जारी कर उन्होंने तकनीक के इस गलत इस्तेमाल को यौन उत्पीड़न के बराबर बताया। जान्हवी ने कहा कि बिना मर्जी के महिलाओं का ऐसा कंटेंट बनाना उनकी गरिमा का गंभीर उल्लंघन है।इसके साथ ही उन्होंने इस मुद्दे पर खुलकर बोलने और



जूनियर एनटीआर ने मॉर्फ्ड 'चुट्टामल्ले' वीडियो बनाने और उसे फैलाने वालों को कड़ी चेतावनी दी थी। उन्होंने लिखा कि 'चुट्टामल्ले' के इस मॉर्फ्ड वीडियो को बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ मैं हर संभव कानूनी कार्रवाई करूंगा। मैं उनमें से किसी को भी नहीं छोड़ूंगा।

समर्थन देने के लिए अपने को-स्टार जूनियर एनटीआर, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और खुशबू का आभार व्यक्त किया। एक्ट्रेस ने महिलाओं की पसंद और उनके शरीर के प्रति सम्मान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर कोई महिला पांच दिन 'हां' कहती है और छठे दिन 'ना', तो उस 'ना' का सम्मान किया जाना चाहिए। मिनीस्कर्ट पहनने का मतलब यह नहीं होता कि कोई उसके नीचे कैमरा लगाए या उसके शरीर का गलत इस्तेमाल करे। महिला किस चीज में सहज है और अपनी सीमा कहां तय करती है, यह फैसला पूरी तरह से उसी का होना चाहिए।



जान्हवी कपूर ने फिल्म 'देवरा : पार्ट 1' से बतौर लीड एक्ट्रेस साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था।

टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल यौन उत्पीड़न जैसा

जान्हवी कपूर ने अपने बयान में लिखा कि महिलाओं को केवल एक वस्तु की तरह दिखाना और उनकी सहमति के बिना एडिटेड कंटेंट फैलाना बेहद गंभीर मामला है। यह आपराधिक कृत्य लगभग यौन उत्पीड़न के ही समान है। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री की लगभग हर महिला ने किसी न किसी रूप में इस परेशानी का सामना किया है। अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हर जगह आम महिलाएं भी इसका शिकार हो रही हैं।

'अपनी बेटियों को बचाओ' की जगह सोच बदलने की जरूरत

जान्हवी ने आगे कहा कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगहों पर महिलाओं को सीमाओं के उल्लंघन का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सलाह दी कि लोगों को सिर्फ अपनी बेटियों की सुरक्षा करने की बात कहने के बजाय अपनी सोच बदलनी होगी। समाज को ऐसी मानसिकता विकसित करने की जरूरत है जो लोगों को दूसरों की प्राइवेसी और सीमाओं का उल्लंघन करने से रोके।



गोविंदा की बेटी टीना ने कोमल रानी पर सवाल टाला

कहा- सिर्फ इवेंट पर बात करें, कोमल का आरोप- सुनीता ने गोविंदा को बर्बाद किया

नई दिल्ली, एजेंसी

सुनीता आहूजा और कोमल रानी के बीच चल रहे विवाद पर गोविंदा की बेटी टीना आहूजा ने प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया।

कोमल रानी के मां सुनीता आहूजा पर लगाए गए गंभीर आरोपों के बीच, जब एक इवेंट में मीडिया ने टीना से इस बारे में सवाल पूछा, तो उन्होंने मामले से दूरी बना ली और बिना जवाब दिए वहां से चली गईं।

इवेंट के दौरान टीना से मीडिया ने पूछा, ₹कोमल रानी इंस्टाग्राम पर आपकी मम्मी सुनीता आहूजा पर कई आरोप लगा रही हैं।

इस सवाल को सुनते ही टीना ने तुरंत इसे टाल दिया और कहा, ₹प्लीज हम यहां सिर्फ इवेंट के बारे में बात करते हैं... धन्यवाद₹। इतना कहने के बाद वे पैपराजी के बीच से



आगे बढ़ गईं और बात आगे नहीं बढ़ाई।

यह पूरा मामला तब गरमाया जब कोमल रानी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा नोट शेयर कर सुनीता आहूजा पर तीखे आरोप लगाए। कोमल ने लिखा, ₹जो औरत सालों से अपने ही पति की जान लेने की कोशिश कर रही हो, ऐसी औरतों की बदुआएं किसी को नहीं लगतीं।

उन्होंने आगे कहा कि जो घर पहले से टूटा हुआ हो, उसे कोई और नहीं तोड़ सकता। कोमल ने सवाल उठाया कि क्या यह सच में दर्द है या फिर लोगों की सहानुभूति हासिल करने के लिए रची गई कोई सोची-समझी साजिश है।

कोमल ने अपने पोस्ट में सुनीता पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि किसी इंसान को लगातार मानसिक रूप से परेशान करना, काम करने से रोकना, घर पर बैठने और बर्बाद होने के लिए मजबूर करना तथा पूरी तरह अलग-थलग कर देना किसी अच्छी पत्नी का बर्ताव नहीं हो सकता।

उन्होंने आरोप लगाया कि सुनीता बंद कमरों के पीछे का काम सार्वजनिक रूप से कर रही हैं और अपील की कि वे अपने एजेंडे के लिए उनके नाम का इस्तेमाल बंद करें।

बोले- कैप्टन स्मित पर चुप क्यों, एलपीयू की घटना पर क्यों नहीं बोल रहे, सीजेपी प्रोटेस्ट में पहुंचे थे नसीरुद्दीन

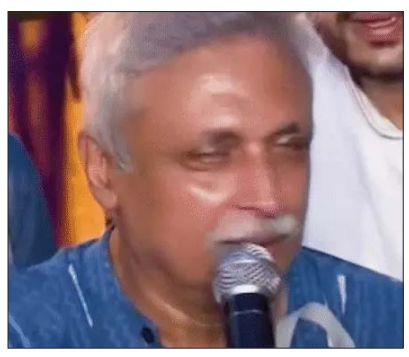
नसीरुद्दीन शाह पर पीयूष मिश्रा का तंज

मुंबई, एजेंसी

मुंबई के शिवाजी पार्क में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस प्रोटेस्ट में एक्टर नसीरुद्दीन शाह और संगीतकार विशाल ददलानी समेत कई हस्तियां शामिल हुईं। इसी बीच एक्टर पीयूष मिश्रा ने नसीरुद्दीन शाह की अभिजीत दिपके से मुलाकात का जिक्र करते हुए देश के अन्य मुद्दों पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाए।

उन्होंने दुबई की फ्लाइट में 170 यात्रियों की जान बचाने वाले स्मिथ मच्छर की तारीफ करने और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU) की घटना पर बयान देने की मांग की।

पीयूष ने देश के अन्य मुद्दों पर नसीरुद्दीन शाह की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब नसीर साहब





पीयूष मिश्रा ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के मुद्दे को भी उठाया। उन्होंने कहा कि वहां छात्रों के साथ पुलिस कार्रवाई के दौरान धक्का-मुक्की और हंगामा हुआ।
पीयूष ने तंज कसते हुए याद दिलाया कि नसीरुद्दीन शाह ने कहा था कि उन्होंने जितना नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा और एफटीआईआई में नहीं सीखा, उतना इन बच्चों से सीखा है।

के हर बयान का वे खुद जवाब देंगे। पीयूष ने पूछा कि ये बच्चे कब से एक्टिंग टीचर हो गए, नसीर साहब को इस पर भी मैसेज भेजकर अपनी संवेदना जतानी चाहिए। वीडियो में पीयूष मिश्रा ने झारखंड छात्र आंदोलन के दौरान मांगी गई मदद का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने झारखंड के लिए नसीर साहब से मदद मांगी थी, तो उन्होंने एक पाकिस्तानी शायरा की नज्म भेज दी थी। पीयूष ने कहा कि वहां के लोगों को किसी शायरा की नज्म नहीं, बल्कि आटा, दाल, रोटी, लिट्टी और चोखा चाहिए था। उन्हें कोई पिज्जा या बर्गर नहीं चाहिए था। पीयूष मिश्रा ने नसीरुद्दीन शाह को साफ शब्दों में कहा कि अब वे जब भी कोई सार्वजनिक बयान देंगे, तो उन्हें पीयूष मिश्रा की तरफ से जवाब जरूर मिलेगा। उन्होंने खुद को नसीर साहब का पुराना जानकार बताते हुए 'इंकलाब जिंदाबाद' के साथ अपनी बात खत्म की।

'फ्लाइट हादसे में जान बचाने वाले की तारीफ करें'

पीयूष मिश्रा ने अपने सोशल मीडिया वीडियो में नसीरुद्दीन शाह से कहा कि वे पुराने जानकार हैं। पीयूष ने हाल ही में फ्लाईदुबई की फ्लाइट 1073 में टले हादसे का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि स्मित मच्छार नाम के व्यक्ति ने बहादुरी दिखाकर 170 लोगों की जान बचाई है। नसीर साहब को उस घटना पर भी कमेंट करना चाहिए और उस जांबाज को बधाइयां देनी चाहिए।

मेडिसिन का नोबेल 3 वैज्ञानिकों को मिला

पुरस्कृत रोशनी से दिमाग की नसों को नियंत्रित करने का तरीका खोजा

नोबेल कमेटी के सेक्रेटरी थॉमस पर्लमैन इस साल के फिजियोलॉजी या मेडिसिन नोबेल पुरस्कार के विजेता का ऐलान करेंगे। पुरस्कार की घोषणा से कुछ ही पल पहले नोबेल कमेटी ने इसकी जानकारी दी है।



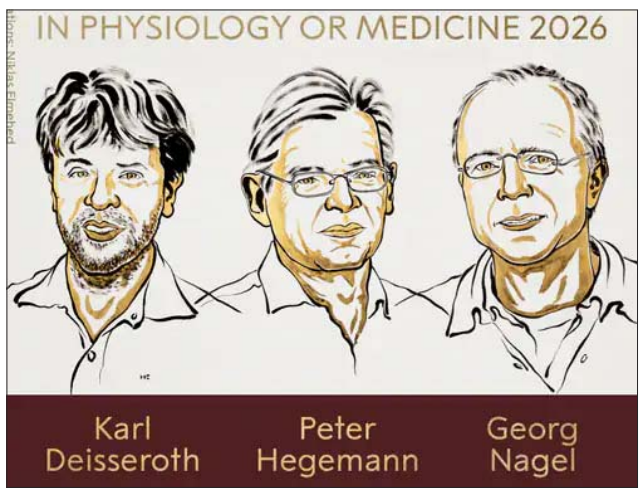
तस्वीर नोबेल कमेटी के सेक्रेटरी थॉमस पर्लमैन की है।

स्टॉकहोम, एजेंसी

2026 का नोबेल मेडिसिन पुरस्कार ऑप्टोजेनेटिक्स नाम की तकनीक के लिए पीटर हेगेमैन, जॉर्ज नागेल और कार्ल डीसेरोथ को दिया गया है।

इस तकनीक की मदद से वैज्ञानिक दिमाग की नसों यानी तंत्रिका कोशिकाओं को रोशनी से कंट्रोल कर सकते हैं। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि हमारा दिमाग यादों, भावनाओं और व्यवहार को कैसे कंट्रोल करता है।

स्वेतलाना मोइसोव ने GLP-1 हार्मोन के उस हिस्से की पहचान करने में अहम भूमिका निभाई, जो शरीर पर सबसे ज्यादा असर करता है। GLP-1 भूख और ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है। उनकी रिसर्च ने आगे चलकर मोटापा और डायबिटीज की



दवाओं का रास्ता खोला। इस काम में डैनियल ड्रकर और जेन्स जूल होल्स्ट का भी अहम योगदान रहा।

डैनियल ड्रकर ने GLP-1 के शरीर पर असर को समझने में अहम योगदान दिया। उनकी रिसर्च से पता चला कि यह हार्मोन इंसुलिन, ब्लड शुगर और भूख को कैसे प्रभावित करता है। उनके काम ने GLP-1 आधारित दवाओं को डायबिटीज और मोटापे के इलाज तक पहुंचाने में मदद की।

रोशनी को महसूस करने वाले प्रोटीन की खोज

वैज्ञानिक पीटर हेगेमैन यह समझना चाहते थे कि यह शैवाल रोशनी की तरफ कैसे तैरती है। इसी सवाल पर काम करते हुए उन्होंने और जॉर्ज नागेल ने शैवाल में एक खास प्रोटीन की पहचान की। इसका नाम चैनलरोडोप्सिन है।

आसान भाषा में कहें तो यह प्रोटीन कोशिका के लिए रोशनी को महसूस करने वाले सेंसर की तरह काम करता है।

जब इस प्रोटीन पर नीली रोशनी पड़ती है, तो इसमें एक छोटा रास्ता खुल जाता है। इस रास्ते से विद्युत आवेश वाले छोटे कण कोशिका के अंदर जाने लगते हैं। इससे कोशिका में एक विद्युत संकेत पैदा होता है।

वैज्ञानिकों ने आगे इसका प्रयोग दूसरी कोशिकाओं पर किया। उन्होंने चैनलरोडोप्सिन को दूसरी कोशिकाओं में डालकर देखा। इसके बाद ये कोशिकाएं भी रोशनी पड़ने पर विद्युत संकेत पैदा करने लगीं। यहीं से वैज्ञानिकों को यह समझ आया कि इस प्रोटीन की मदद से रोशनी के जरिए कोशिकाओं की गतिविधि को नियंत्रित किया जा सकता है।

डेविड लियू ने जीन एडिटिंग की ऐसी तकनीकें विकसित कीं, जिनसे DNA में खास हिस्सों को ज्यादा सटीक तरीके से बदला जा सकता है। उनकी बेस एडिटिंग और प्राइम एडिटिंग तकनीकों का इस्तेमाल आनुवंशिक बीमारियों के इलाज की दिशा में किया जा रहा है। उनका नाम मेडिसिन के साथ 2026 केमिस्ट्री नोबेल की चर्चाओं में भी है।

डेनिस स्लैमोन ने स्तन कैंसर में HER2 जीन की भूमिका समझने में अहम काम किया। उनकी रिसर्च और क्लिनिकल ट्रायल से हर्सेप्टिन जैसी लक्षित दवा के विकास का रास्ता खुला। यह दवा HER2-पॉजिटिव स्तन कैंसर के इलाज में बड़ा बदलाव लेकर आई। टिमोथी स्प्रिंगर ने यह समझने में अहम योगदान दिया कि प्रतिरक्षा प्रणाली की कोशिकाएं एक-दूसरे को कैसे पहचानती और जोड़ती हैं। उनकी रिसर्च से ऐसी दवाओं के विकास में मदद मिली, जिनका इस्तेमाल ऑटोइम्यून बीमारियों के इलाज में होता है।

फास्ट न्यूज

अमेरिका-भारत ट्रेड डील की बातचीत में अब ज्यादा गुंजाइश नहीं

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर चल रही बातचीत ऐसी जगह पर आकर अटक गई है, जहां से आगे बढ़ना दोनों देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित 'म्यूनिख लीडर्स मीटिंग' के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बात उस मोड़ पर पहुंच चुकी है जहां न तो भारत और छूट देने को तैयार है, और न ही अमेरिका।

आज सोने के दाम में 353 की गिरावट

नई दिल्ली। सोने के दाम में आज यानी 5 अक्टूबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी IBJA के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 353 रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं एक किलो चांदी 2,105 रुपए महंगी होकर 2.23 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले बीते महीने यानी सितंबर में सोना 8 हजार और चांदी 15 हजार सस्ती रुपए हुई। 31 अगस्त को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो 30 सितंबर को 1.48 लाख रुपए पर आ गया। इसी तरह 1 किलो चांदी की कीमत 2.37 लाख रुपए से गिरकर 2.20 लाख रुपए पर आ

टैक्स अधिकारियों से छिनेगा गिरफ्तारी का अधिकार

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल 7 अक्टूबर को होने वाली अपनी बैठक में देश के इनडायरेक्ट टैक्स सिस्टम में बड़े सुधारों को मंजूरी दे सकती है। नए प्रस्ताव के तहत टैक्स अधिकारियों से सीधे गिरफ्तार करने का अधिकार वापस लेने और फर्जीवाड़े के आपराधिक मामलों की सीमा बढ़ाने की तैयारी है।

ट्रम्प के कामकाज से 70% अमेरिकी संतुष्ट नहीं

न्यूयॉर्क, एजेंसी



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी में बगावत के संकेत दिखने लगे हैं। ट्रम्प की लोकप्रियता घट रही है। पार्टी नेताओं को डर है कि मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प का साथ उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। नवंबर में होने वाले चुनाव से पहले कई रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प से दूरी बना रहे हैं। कुछ ने अपनी चुनावी वेबसाइट से ट्रम्प और उनके 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे का जिक्र हटा दिया है। कुछ नेता उनके साथ मंच साझा करने से भी बच रहे हैं। AP-NORC सर्वे के मुताबिक, सिर्फ 30% अमेरिकी ट्रम्प के कामकाज से खुश हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रूवल रेटिंग 26% है। महंगाई से निपटने के मामले में यह सिर्फ 17% है। 65% से ज्यादा अमेरिकी बढ़ती कीमतों के लिए ट्रम्प की नीतियों को जिम्मेदार मानते हैं।

आयोवा से सांसद और सीनेट उम्मीदवार एश्ले हिंसन और मिशिगन के सीनेट उम्मीदवार माइक रोजर्स ने ईरान युद्ध जल्द खत्म करने की मांग की है। दोनों पहले ट्रम्प की सैन्य कार्रवाई के समर्थक थे। आयोवा के सांसद जैक नन और मैरियानेट मिलर-मीक्स ने ट्रम्प की युद्ध शक्तियां सीमित करने के लिए डेमोक्रेट्स के साथ वोट किया। फ्लोरिडा की सांसद मारिया ने ट्रम्प की सख्त इमिग्रेशन नीति पर सवाल उठाए हैं। कई उम्मीदवारों ने कहा है कि वे ट्रम्प का प्रचार नहीं चाहते।

रिपब्लिकन उम्मीदवारों की बेचैनी के पीछे सबसे बड़ा कारण अर्थव्यवस्था है।

ताइवानी राष्ट्रपति के बेटे का वीडियो बनाया, चीन जाते समय एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

चीन के लिए जासूसी के शक में अमेरिकी महिला गिरफ्तार

जांच एजेंसी का आरोप है कि दोनों ने घर और वहां आने वाले लोगों की तस्वीरें और वीडियो बनाए। पड़ोसी के सुरक्षा कैमरे की फुटेज में भी दोनों को कैमरे से रिकॉर्डिंग करते हुए देखा गया था।



वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी जांच एजेंसी FBI ने रविवार को लॉस एंजिल्स एयरपोर्ट से 34 साल की एक महिला को गिरफ्तार किया। महिला पर आरोप है कि उसने चीन सरकार के लिए काम करते हुए ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बेटे की निगरानी की और उसकी तस्वीरें व वीडियो चीन तक पहुंचाए। अमेरिकी महिला की पहचान वैनयिंग झांग उर्फ हीदर झांग के रूप में हुई है। वह कैलिफोर्निया के इरविन शहर में रियल एस्टेट एजेंट है। FBI ने उसे उस समय गिरफ्तार किया, जब वह लॉस एंजिल्स से शंघाई जाने वाली फ्लाइट पकड़ने वाली थी। अमेरिकी अधिकारियों ने उस पर किसी विदेशी सरकार के लिए काम करने का आरोप



लगाया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, झांग ने इस दौरान चीन के एक सरकारी अधिकारी को वीचैट पर जानकारी भेजी। FBI के मुताबिक, उसने बताया कि उसने टिंग-यू को देख लिया है और उसका वीडियो बना रही है। उसने दो गाड़ियों के नंबर भी भेजे थे। जांच एजेंसी का कहना है कि इसके बाद झांग ने मैसेज भेजकर कहा था कि वह यह काम संभाल लेगी।

कुछ समय बाद उसने अधिकारी को बताया कि वह अगले हफ्ते सिएटल जा सकती है। इसके बाद ही सितंबर 2025 में वह अपने साथी के साथ सिएटल गई और राष्ट्रपति के बेटे के घर की निगरानी की। FBI एजेंट होल्ट ने शिकायत में कहा कि अगर चीन किसी संभावित संघर्ष के दौरान ताइवान के राष्ट्रपति पर दबाव बनाना चाहता है, तो उनके करीबी रिश्तेदारों की लोकेशन, घर और गाड़ियों की तस्वीरें उसके लिए उपयोगी हो सकती हैं।

जून में चीनी अधिकारी से मिलने गई थी महिला

FBI की शिकायत के मुताबिक, इस पूरे मामले की शुरुआत जून 2025 में हुई थी। झांग को उसकी पुरानी यूनिवर्सिटी के एक दोस्त ने चीन के एक सरकारी अधिकारी से मिलवाया था। झांग जून में चीन के चांगशा शहर गई थी। वहां उसने एक निजी कमरा बुक किया, जहां उसकी चीनी अधिकारी से मुलाकात हुई। FBI के मुताबिक, अधिकारी ने उसे निगरानी से जुड़ा काम दिया था।

कैलिफोर्निया में रियल एस्टेट एजेंट के तौर पर काम करती थी

गिरफ्तार महिला की पहचान वैनयिंग हीदर झांग (34) के रूप में हुई है। वह कैलिफोर्निया के इरविन में रियल एस्टेट एजेंट है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, झांग सितंबर 2025 में एक और व्यक्ति के साथ लास वेगास से सिएटल गई थी। दोनों ने वहां एक काली निसान रोग कार किराए पर ली और ताइवान के राष्ट्रपति के बेटे टिंग-यू लाई के घर के पास पहुंचे।

ब्राजील में राष्ट्रपति लूला हार सकते हैं चुनाव

ट्रम्प के करीबी फ्लाविया बोल्सेनारो पहले दौर में आगे, पिता 27 साल जेल की सजा काट रहे

ब्रासीलिया, एजेंसी



ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा चुनाव हार सकते हैं। 4 अक्टूबर को ब्राजील में पहले दौर की वोटिंग हुई। इसमें राष्ट्रपति लूला, पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे से पिछड़ गए।

किसी भी उम्मीदवार को 50% से ज्यादा वोट नहीं मिले, इसलिए अब ब्राजील में 25 अक्टूबर को दूसरे दौर की वोटिंग होगी।

बोल्सोनारो परिवार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का करीबी माना जाता है। 2022 का चुनाव हारने के बाद तख्तापलट की साजिश के मामले में जायर बोल्सोनारो को करीब 27 साल की जेल की सजा मिली है।

चुनाव से पहले आए ज्यादातर सर्वे लूला को बढ़त दिखा रहे थे, लेकिन नतीजों ने तस्वीर बदल दी।

पहले दौर में लूला और फ्लाविया के अलावा 10 और उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। वे चुनाव से बाहर हो गए हैं, लेकिन उन्हें मिले वोट अब भी बहुत मायने रखते हैं। दूसरे दौर में इन्हीं वोटों से तय हो सकता है कि लूला या फ्लाविया में से कौन राष्ट्रपति बनेगा। इनमें रोनाल्डो काइआडो और रेनान सैंटोस के वोट सबसे ज्यादा अहम हैं। दोनों को मिलाकर करीब 53 लाख वोट मिले हैं। अभी दोनों ने यह नहीं बताया है कि वे लूला का साथ देंगे या फ्लाविया का। एक और बड़ी बात यह है कि पहले दौर में करीब 21% लोगों ने वोट ही नहीं डाला। अब दूसरे दौर में यह देखना होगा कि इनमें से कितने लोग वोट डालने आते हैं और किसे वोट देते हैं। 80 साल के लूला दा सिल्वा चौथी बार ब्राजील की सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उनका चुनावी दांव गरीबों के लिए किए गए काम और सामाजिक कल्याण की योजनाओं पर है।

पिता जेल में, बेटा राष्ट्रपति बनने की रेस में

45 साल के फ्लावियो बोल्सोनारो इस चुनाव में सिर्फ एक उम्मीदवार नहीं हैं, बल्कि ब्राजील के बोल्सोनारो परिवार की राजनीतिक विरासत को आगे ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। वे रियो डी जेनेरियो से सीनेटर हैं।

उनके पिता जायर बोल्सोनारो जेल में होने की वजह से चुनाव नहीं लड़ सकते। ऐसे में जायर ने अपने बेटे फ्लावियो को 2026 के चुनाव में आगे किया।

फ्लावियो 2002 से राजनीति में हैं, लेकिन राष्ट्रपति पद के लिए यह उनका पहला चुनाव है। उन्होंने पिता की कट्टर दक्षिणपंथी छवि को आगे बढ़ाते हुए अपराध पर सख्त कार्रवाई, टैक्स में कटौती और कारोबार को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों को अपने अभियान का हिस्सा बनाया है।



ब्राजील के राष्ट्रपति और वर्कर्स पार्टी के उम्मीदवार लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा 4 अक्टूबर 2026 को साओ पाउलो में।

ब्राजील में आम जनता सीधे राष्ट्रपति के लिए वोट करती है। राष्ट्रपति बनने के लिए किसी भी उम्मीदवार को 50% से ज्यादा वोट मिलने जरूरी हैं। पहले दौर में फ्लावियो बोल्सोनारो को करीब 47% वोट मिले, जबकि लूला को करीब 45% वोट मिले।

प्रति मिनट 32000 फीट की रफ्तार से नीचे आ रहा था फ्लाईदुबई का प्लेन

बोइंग के डिजाइन ने कैसे टाली तबाही?

वाशिंगटन, एजेंसी

फ्लाईदुबई के विमान में बीच हवा में हुए जानलेवा हमले के बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। शुरुआती रिपोर्टों में दो पायलटों के बीच कॉकपिट में हुई खूनी भिड़ंत, यात्रियों और ऑफ-ड्यूटी क्रू द्वारा विमान को संभालने की बहादुरी पर चर्चा रही। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में बोइंग 737 मैक्स विमान के मजबूत डिजाइन ने भी सभी अनुमानों को पीछे छोड़ दिया।

हवा में लगभग सीधी गोता लगाने के बावजूद विमान 170 से अधिक यात्रियों और चालक दल के साथ सऊदी अरब में सुरक्षित उतर गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भी बोइंग के इस मजबूत डिजाइन की तारीफ की है।

को-पायलट ने मुख्य पायलट मच्छर पर अचानक हमला कर दिया। इसके बाद विमान खतरनाक



तरीके से पहले नीचे गोता लगाने लगा, फिर अचानक ऊपर चढ़ा और दोबारा तेजी से नीचे गिरने लगा।

फ्लाइटराडार24 के आंकड़ों के मुताबिक, एक समय विमान 32,000 फीट प्रति मिनट की भयानक रफ्तार से नीचे गिर रहा था। इस दौरान यात्रियों को लड़ाकू विमान चालकों और अंतरिक्ष यात्रियों जैसे अत्यधिक गुरुत्वाकर्षण बल का सामना करना पड़ा।

गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद मुख्य पायलट कैप्टन स्मित मच्छर ने अंदर से कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया, जो केवल अंदर से ही खोला जा सकता था।

निगरानी : 200 लोग क्वॉरेंटाइन, प्लेग रिसर्च लैब में वायरस सैंपल वाली टेस्ट ट्यूब टूटी थी

रूस में अज्ञात वायरस से लैब कर्मचारी की मौत

मॉस्को, एजेंसी

रूस में 28 साल की महिला कर्मचारी की मौत के बाद उसके संपर्क में आए करीब 200 लोगों को मेडिकल निगरानी में रखा गया है। महिला साइबेरिया के एक एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करती थी।

स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, 25 सितंबर को लैब में काम करते समय उससे जीवित जैविक नमूनों वाली एक टेस्ट ट्यूब टूट गई थी।

29 सितंबर को तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर वेंटिलेटर पर रखा गया। इलाज के दौरान 1 अक्टूबर की रात उसकी मौत हो गई।

महिला की मौत के बाद सवाल उठ रहा है कि उसे आखिर कौन सा संक्रमण हुआ था। उसे गंभीर



निमोनिया था, लेकिन बीमारी की वजह पता नहीं चल सकी। इसके बाद अधिकारियों ने इमरजेंसी मीटिंग की।

फिलहाल इसे अज्ञात कारणों वाला निमोनिया माना जा रहा है। निमोनिया वायरस और बैक्टीरिया दोनों से हो सकता है। इसके अलावा कुछ मामलों में फंगस या दूसरे कारण भी हो सकते हैं।

लैब के पास मौजूद एक एल्युमि-नियम फैक्ट्री ने कर्मचारियों को एहतियात के तौर पर मास्क पहनने को कहा है। फैक्ट्री के अधिकारियों का कहना है कि घटना के बाद इलाके में कई तरह की अफवाहें फैल रही हैं।

रूस के पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी गेन्नादी ओनिशेंको ने कहा कि फिलहाल यह बीमारी प्लेग लगने की संभावना कम है। उनका कहना है कि अगर प्लेग की पुष्टि भी होती है, तो इसके बड़े पैमाने पर फैलने का खतरा नहीं है।

टेस्ट ट्यूब में क्या था, अभी पता नहीं

टेस्ट ट्यूब में किस तरह का जैविक नमूना था, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। कुछ स्थानीय रिपोर्टों में इसे प्लेग से जुड़े नमूने से जोड़ा गया है, लेकिन रूसी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

वहीं, रूस की स्वास्थ्य एजेंसी रोस्पोट्रेबनादजोर ने लैब में किसी टेस्ट ट्यूब के टूटने से साफ इनकार किया है। एजेंसी ने कहा कि महिला के सैंपल में उसके लैब के काम से जुड़े सूक्ष्मजीव नहीं मिले।



28 साल की लैब टेक्नीशियन का नाम दर्या शिपिलोवा है। फोटो- सोशल मीडिया

पाकिस्तान में फिर बनी टकराव की स्थिति

सड़कों पर उतरे इमरान खान के समर्थक

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में एक बार फिर राजनीतिक पारा चढ़ गया है। अपने नेता इमरान खान की रिहाई के लिए उनके हजारों समर्थकों ने रविवार को राजधानी इस्लामाबाद की ओर कूच कर दिया है। दरअसल, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और मौजूदा शहबाज शरीफ सरकार के बीच चल रही बातचीत पूरी तरह नाकाम रही, जिसके बाद नाराज कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरने का फैसला किया। इमरान खान की पार्टी के सरकार वाले प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवत जिले से विशाल मार्च शुरू हुआ। हजारों समर्थक ट्रकों, बसों और कारों के लंबे काफिले के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आयोजकों ने इस्लामाबाद पहुंचने से पहले रास्ते में रात के ठहराव की योजना बनाई है। खैबर पख्तूनख्वा के



मुख्यमंत्री और इमरान खान के कट्टर समर्थक सोहेल अफरीदी इस मार्च की अगुवाई कर रहे हैं। इमरान खान की बड़ी तस्वीर वाले एक कंटेनर ट्रक से बोलते हुए अफरीदी ने भरोसा जताया कि आंदोलन अपनी मांगों को राजधानी के केंद्र तक पहुंचाने में सफल रहेगा। प्रदर्शनकारियों को इस्लामाबाद में दाखिल होने से रोकने के लिए सुरक्षा बलों और प्रशासन ने कड़े बंदोबस्त किए हैं। राजधानी के सभी प्रवेश द्वारों और शहर के भीतर कई प्रमुख चौराहों पर शिपिंग कंटेनर रखकर भारी बैरिकेडिंग की गई है, जिससे पूरा शहर छावनी में तब्दील नजर आ रहा है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96